UPPSC/PRE/T01/2026

kredoz IAS

TEST– 01 (Ancient History)

TEST 01
Ancient History

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

प्रश्न—पुस्तिका

UPPSC 2026-27

प्रश्न पुस्तिका शृंखला

A

समय— 2 घंटे

पूर्णांक –200

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ ले

महत्वपूर्ण अनुदेश

1. इस प्रश्न पुस्तिका में कुल 150 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों पर समान अंक हैं। सभी प्रश्नों का प्रयास करें।
2. परीक्षा शुरू होने के तुरंत बाद, आपको अपनी प्रश्न पुस्तिका की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रश्न पुस्तिका श्रृंखला पुस्तिका के ऊपरी दाएं कोने पर छपी हुई है। यदि आप इस पुस्तिका में कोई त्रुटि पाते हैं, तो इसे तुरंत उसी श्रृंखला की पूरी पुस्तिका से बदलवा लें।
3. यदि मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकृति की किसी भी प्रकार की गलती है, तो प्रश्नों के अंग्रेजी और हिंदी संस्करणों में से अंग्रेजी संस्करण को मानक माना जाएगा।
4. आपको इस पृष्ठ के शीर्ष पर दिए गए स्थान में अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखना चाहिए। प्रश्न-पुस्तिका पर और कुछ न लिखें।
5. उत्तरों को चिन्हित करने के लिए निरीक्षक द्वारा आपको अलग से एक उत्तर पत्रक प्रदान किया जाएगा। आपको अपना नाम, रोल नंबर, प्रश्न पुस्तिका श्रृंखला और अन्य विवरण दिए गए उत्तर पत्रक के पृष्ठ-2 पर दिए गए स्थान में लिखना होगा, ऐसा न करने पर आपका उत्तर शीट का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
6. आपको अपना रोल नंबर और प्रश्न पुस्तिका श्रृंखला ए, ए, सी या डी को कोड करना चाहिए क्योंकि यह प्रश्न पुस्तिका के ऊपरी दाएं कोने पर ब्लैक / बी इंक बॉलपॉइंट पेन से आपके पृष्ठ-2 पर दिए गए स्थान पर मुद्रित है। उत्तर पत्रिका। यदि आप अपनी प्रश्न पुस्तिका की सही श्रृंखला को एनकोड नहीं करते हैं या एनकोड करने में विफल रहते हैं, तो आपकी उत्तर पुस्तिका का सही मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
7. इस पुस्तिका में प्रश्न और उनके उत्तर अंग्रेजी और हिन्दी संस्करणों में छपे हैं। प्रत्येक प्रश्न में पाँच उत्तर होते हैं- (ए), (बी), (सी),और (डी) । आपको केवल एक सही उत्तर का चयन करना है और उसे अपनी उत्तर पुस्तिका में अंकित करना है। यदि आपको लगता है कि एक से अधिक सही उत्तर हैं, तो उस उत्तर को चिन्हित करें जो आपको सबसे अच्छा लगता है। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर चुनें। आपके कुल अंक उत्तर पत्रक में आपके द्वारा चिन्हित सही उत्तरों की संख्या पर निर्भर करेंगे। उत्तर पत्रक में, प्रत्येक प्रश्न के सामने पाँच गोले (A), (B), (C), और (D) हैं। प्रश्नों का उत्तर देने के लिए आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए अपनी पसंद का केवल एक गोला काली/नीली स्याही के बॉलपॉइंट पेन से चिन्हित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर का चयन करें और उसे अपनी उत्तर पुस्तिका में चिह्नित करें।
8. उत्तर पत्रक में, प्रत्येक प्रश्न के सामने पाँच वृत्त हैं- (A), (B), (C), और(D) । प्रश्नों का उत्तर देने के लिए आपको प्रत्येक प्रश्न के लिए अपनी पसंद का केवल एक गोला काली/नीली स्याही के बॉलपॉइंट पेन से चिन्हित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर का चयन करें और उसे अपनी उत्तर पुस्तिका में चिह्नित करें। यदि आप एक प्रश्न के लिए एक से अधिक वृत्त चिन्हित करते हैं, तो उत्तर को गलत माना जाएगा। उत्तर पत्रक में उत्तर अंकित करने के लिए केवल काली/नीली स्याही के बॉलपॉइंट पेन का ही प्रयोग करें। किसी भी मिटा या परिवर्तन की अनुमति नहीं है।
9. आपको प्रश्न-पुस्तिका से किसी भी शीट को हटाना या फाड़ना नहीं चाहिए। आपको परीक्षा के दौरान इस प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक को परीक्षा हॉल से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। परीक्षा समाप्त होने के बाद, आपको अपनी उत्तर पुस्तिका निरीक्षक को सौंपनी होगी। इसके बाद, आपको प्रश्न पुस्तिका अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जाती है।
10. उपरोक्त किसी भी निर्देश का पालन करने में विफल रहने पर आप ऐसी कार्रवाई या दंड के लिए उत्तरदायी होंगे जो आयोग अपने विवेकानुसार तय कर

ध्यान दें: अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर छपा है।

1. सिक्कों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. आहत सिखों पर कोई लेख नहीं होता था बल्कि उन पर विभिन्न आकृतियां (मछली हाथी पेड़ आदि) विधमान होती थी!

2. पंचमार्क सिक्कों को सर्वप्रथम 1800 इसवीं में कोयंबटूर में कर्नल कोल्डवेल द्वारा प्राप्त किया गया था!

उपरोक्त कथनों में कौन सा कथन सत्य है

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) ना तो एक ना तो दो

2. मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मुहर पर देवता किन पशुओं से घिरा है?

(a) भैंसा, गैंडा, भेड़ तथा चीता

(b) चीता, अर्थ, गैंडा तथा बैल

(c) सिंह, गैंडा, बैल तथा घड़ियाल

(d) चीता, गैंडा, भैसा तथा हाथी

3. मनुस्मृति ने सरस्वती और दृषद्वती नदियों के बीच के प्रदेश को किस नाम से परिभाषित किया है?

(a) आर्यावर्त | (b) ब्रह्मावर्त

(c) ब्रह्मार्पिदेश | d) सप्त-सैन्धव

4. निम्नलिखित लेखकों को, जिनकी रचनाएँ प्राचीन भारतीय इतिहास के लिए अत्यन्त मूल्यवान हैं, सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए-

1. नियार्कस | **2. प्लिनी**

3. टॉलेमी | **4. स्ट्रेबो**

नीचे के कूट से सही उत्तर निर्धारित कीजिए-

(a) 4,1,3,2 | (b) 3 2 4 1

(c) 1, 4, 2, 3 | (d) 1, 3, 2, 4

5. हडप्पा सभ्यता के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन एक सही है?

(a) मानक हड़प्पा मुद्राएँ मिट्टी की बनी थीं।

(b) हडप्पा के निवासी न तो काँस्य के विषय में जानते थे और न ही ताम्र के!

(c) हड़प्पा सभ्यता ग्राम-आधारित थी!

(d) हड़प्पा के निवासी कपास उगाते थे और प्रयोग में लाते थे!

6. हड़प्पा सस्कृति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) यह उपमहाद्वीप में प्रारम्भिक नगरों की साक्षी रही।

(b) इसमें दायीं ओर से बायीं ओर को लिखी जाने वाली लिपि के प्रथम उपयोग का संकेत है।

(c) इसमें मूर्ति बनाने की कला के एक माध्यम के रूप में लोहे के सबसे आरम्भिक ज्ञात उपयोग का प्रमाण है।

(d) इसमें मूर्ति बनाने की कला के एक माध्यम के रूप में पत्थर के सबसे आरम्भिक ज्ञात उपयोग का प्रमाण मिलता है।

7. निम्नलिखित कथनों में से असत्य कथन की पहचान कीजिए -

(a) सर्वाधिक मात्रा में सोने के सिक्के जारी किए - गुप्त शासकों ने

(b) सर्वाधिक ताँबे के सिक्के जारी किए - कुषाण शासकों ने

(c) सीसे एवं टीन के सिक्के चलाये-सातवाहन शासकों ने

(d) सर्वाधिक सिक्के जारी किये- मौर्य शासकों ने

8. सूची एक को सूची दो से मिलाइए तथा कूट के माध्यम से सही उत्तर का चयन कीजिए सूची एक सूची दो

A. फाह्यान	**1.महयल जहान**
B. अलबिलादुरी	**2.नेचुरल हिस्ट्री**
C. अलमसूदी	**3.फतूहल बुल्दान**
D. प्लिनी	**4.फोगुओजी**

कूट :-

A B C D

(a) 4 3 1 2 | (b) 1 2 3 4

(c) 4 3 2 1 | (d) 3 2 1 4

9. निम्नलिखित संस्कृतियों में से उनके कालक्रम के अनुसार लगाइये तथा कूट के माध्यम से सही उत्तर का चयन कीजिए-

1. कायथा संस्कृति | **2. आहड़ संस्कृति**

3. जोरवें संस्कृति | **4. मालवा संस्कृति**

(a) 4 3 2 1 | (b) 2 1 4 3

(c) 3 2 1 4 | (d) 1 2 3 4

10. निम्नलिखित कथनो में से असत्य कथन की पहचान कीजिये -

(a) योग दर्शन - आत्मा का परमात्मा से मिलन

(b) वेशेषिक दर्शन - परमाणु सिद्धांत की चर्चा

(c) न्याय दर्शन- तर्क का दर्शन

(d) उत्तर मीमांसा दर्शन - ब्रह्म और जीव को सत्यता पर बल

11. सूची एक को सूची दो से मिलाइए तथा कथन के माध्यम से सही उत्तर का चयन कीजिए

सूची I (महावाक्य)	**सूची II (उपनिषद्)**
A. यम-नचिकेता की कहानी	**1.कठोपनिषद्**
B. निष्काम कर्म सिद्धांत	**2.ईशोपनिषद्**
C. नवधा भक्ति	**3.श्वेताश्वत्तरोपनिषद्**
D. अहम् ब्रह्मास्मि	**4. वृहदारण्यक उपनिषद्**

कूट :-

A B C D

(a) 1 2 3 4 | (b) 4 3 1 2

(c) 4 3 2 1 | (d) 3 2 1 4

12. निम्नलिखित में से कौन-से विद्वान कनिष्क के समकालीन थे?

1. अश्वघोष **2. नागार्जुन**

3. वसुमित्र **4. चाणक्य**

नीचे दिए गएं कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

कूटः

(a) 1 और 2

(b) 3 और 4

(c) 2 और 4

(d) 1, 2 और 3

13. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए-

सूची-1 (बस्तिया / स्थल)	**सूची-II (नदी के मुहाने पर)**
A. हड़प्पा	**1. रावी**
B. मोहनजोदड़ो.	**2. सिन्धु**
C. रोपड़	**3. सतलज**
D. कालीबंगा	**4. घग्घर**

कूटः

A B C D

(a) 2 4 3 (b) 1 2 3 4

(c) 4 3 2 1 (d) 3 4 1 2

14. निम्नलिखित में से किस जैन ग्रन्थ में उन दस प्रसिद्ध जन व्यापारियों की कथा का चित्रण है जिन्होंने जैन धर्म और उसके सिद्धान्तों को ग्रहण करके मोक्ष प्राप्त कर लिया था?

(a) आचारांगसुत्त

(b) उवासगदसाओ

(c) अन्तकृद्धसाओ

(d) सूत्रकृतांग

15. निम्नलिखित में से कौन-सा एक युग्म समुचित रूप से सुमेलित नहीं है?

(a) मेगस्थनीज – इण्डिका (b) अश्वघोष - बुद्धचरित

(c) पाणिनि -महाभाष्य (d) विशाखदत्त - मुद्राराक्षस

16. निम्नलिखित चीनी यात्रियों में से किसने हर्षवर्द्धन और कुमार भास्कर वर्मा के राज्यों की यात्रा की थी?

(a) इत्सिंग (b) फाह्यान

(c) ह्वेनसांग (d) शुन शुयुन

17. कूटागरशाला, जिसका शाब्दिक अर्थ नुकीली छत वाली झोपड़ी है, क्या होती थी?

(a) पशुओं को रखे जाने का स्थान

(b) एक स्थान जहाँ बौद्ध भिक्षुओं के बीच बौद्धिक वाद-विवाद होता था

(c) शस्त्रों को इकट्ठा रखने का स्थान

(d) शयन करने का स्थान

18. भास्कर नामक राजा द्वारा हर्षवर्द्धन को भेजे गए विभिन्न उपहारों का उल्लेख हर्षचरित में मिलता है। भास्कर किससे सम्बन्धित है?

(a) मगध का हर्यक राजवंश

(b) असम का वर्मन राजवंश

(c) उत्तर भारत का नंद राजवंश

(d) इनमें से कोई नहीं

19. प्रारम्भिक भारत में 'अग्रहार' क्या था?

(a) ब्राह्मणों को अनुदत्त गाँव या भूमि का नाम

(b) अगर के फूलों की माला

(c) अधिकारियों और सैनिकों को भूमि अनुदान

(d) वैश्य कृषकों द्वारा बसाया हुआ गाँव या भूमि

20. गुप्त काल में, वराहमिहिर ने प्रसिद्ध पुस्तक, वृहत् संहिता की रचना की। यह किस विषय पर आधारित प्रबन्ध था?

(a) खगोल-विज्ञान

(b) शासन-कला

(c) चिकित्सा की आयुर्वेद पद्धति

(d) अर्थशास्त्र

21. निम्नलिखित में से कौन-सा/से बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित नहीं था/थे?

1. कथक **2. आलार कलाम**

3. चन्ना **4. मक्खलिपुत्र गोशाल**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) केवल 1 (b) केवल 4

(c) 1 और 2 (d) 3 और 4

22. फाह्यान की भारत यात्रा के समय निम्नलिखित में से कौन लगभग उजड़ी अवस्था में थे?,

1. तक्षशिला **2. मथुरा**

3. कपिलवस्तु **4. कुशीनगर**

नीचे के कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 1 और 2

(b) 3 और 4

(c) 1, 2, 3 और 4

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

23. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (लेखक)	सूची-II (कृति)
A. सोमदेव	1. मालविकाग्निमित्र
B. कालिदास	2. कथासरित्सागर
C. भास	3. चौरपंचशिक
D. बिल्हण	4. स्वप्नवासवदत्ता

कूटः

A B C D

(a) 1 2 3 4

(b) 2 1 4 3

(c) 3 41 2

(d) 3 1 4 2

24. निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक दोनों का नामोल्लेख मिलता है?

(a) शाहबाजगढ़ी

(b) मास्की

(c) रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख

(d) स्कन्दगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख

25. कथन (A): नवपाषाण काल के लोग कपड़े बुनने लगे थे।

कारण (R): नवपाषाण काल में कपास उपजाया जाने लगा था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

26. निम्नलिखित में से किस प्राचीन स्मृतिकार ने उत्तराधिकार के सम्बन्ध में विधवाओं को पुत्र के बाद स्थान दिया है?

(a) याज्ञवल्क्य (b) मनु

(c) बृहस्पति (d) कात्यायन

27. हुँस्गी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. हुँस्गी से पुरापाषाण युग के कई साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

2. यहाँ से प्राप्त अधिकांश औजार बलुआ पत्थरों से बनाए जाते थे। उपर्युक्त में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

28. नवपाषाण युग के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) इस काल में पुरापाषाणिक औजारों का प्रयोग और निर्माण पूर्णतः बन्द हो गया।

(b) इस काल के औज़ारों की धार को अधिक पैना करने के लिये उन पर पॉलिश चढ़ाई जाती थी।

(c) इस युग में वनस्पतियों व अन्य चीजों को पीसने के लिये ओखली व मूसल का प्रयोग होने लगा था।

(d) इस युग में मिट्टी के बर्तनों पर अलंकरण आरंभ हो गया था।

29. मेगस्थनीज की रचना में उल्लिखित 'आस्टीनोमोई" कौन थे?

(a) ग्राम्य अधिकारी

(b) प्रान्तीय अधिकारी

(c) पुलिस अधिकारी

(d) नगर अधिकारी

30. निम्नलिखित में से किन-किन महाजनपदों की दो दो राजधानियां थी :-

(a) कौशल,अवंती,पांचाल

(b) वैशाली, अवंती, सुरसेन

(c) अंग, काशी, कौशल

(d) गुरु, पांचाल, मत्स्य

31. निम्नलिखित तीर्थंकरों को उनके कालक्रम में सजाए तथा कूट के माध्यम से सही उत्तर का चयन कीजिए-

1. मल्लिनाथ **2. विमलनाथ**

3. सुमतिनाथ **4.संभवनाथ**

कूट

(a) 1 2 3 4 (b) 4 3 2 1

(c) 2 3 4 1 (d) 3 1 2 4

32. निम्नलिखित में से कौन-कौन से पद बौद्ध धर्म के संबंधित नहीं है -

1. अर्हट **2. वस्सा**

3. उपोष्ठ **4. पोषद**

5. संलेखना **6. संवर**

कूट :-

(a) 1,2और4 (b) 2, 3,4और5

(c) 3, 4, 5 और 6 (d) 5 और 6

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. मानस्तंभ मंदिर के प्रवेश द्वार पर होते हैं!

2. मान स्तंभ में तीर्थंकर से संबंधित शिक्षाओं का चित्रण किया जाता है!

उपरोक्त में से सत्य कथन बताइए

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) एक और दो दोनों

(d) ना तो एक ना तो दो

34. निम्नलिखित कथनों में से असत्य कथन की पहचान कीजिए:-

(a) सर्ग - (ब्रह्मांड का विकास),

(b) प्रतिसर्ग - (ब्रह्मांड का समावेश),

(c) मन्वंतर - (समय की पुनरावृत्ति की प्रकृति),

(d) वंश - (चरित्र आधारित कहानियाँ)

35. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बौद्ध संघ के संदर्भ में सही नहीं है?

(a) संघ के पुरुषों और स्त्रियों के रहने के लिये अलग-अलग व्यवस्था थी।

(b) सभी व्यक्ति संघ में प्रवेश ले सकते थे।

(c) संघ में प्रवेश के लिये बच्चों को अपने माता-पिता से अनुमति लेनी होती थी।

(d) विवाहित स्त्रियों को संघ में प्रवेश के लिये अपने माता-पिता से अनुमति की आवश्यकता होती थी।

36. मौर्य वंश में तीन महत्त्वपूर्ण राजा हुए। इन राजाओं का सही वंशानुक्रम निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) चन्द्रगुप्त, अशोक, बिन्दुसार

(b) अशोक, बिन्दुसार, चन्द्रगुप्त

(c) बिन्दुसार, चन्द्रगुप्त, अशोक

(d) चन्द्रगुप्त, बिन्दुसार, अशोक

37. 'कर' और 'नजराना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. कर अनियमित ढंग से एकत्र किये जाते थे।

2. नजराना राज्य द्वारा नियमित रूप से लिया जाता था।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

38. निम्नलिखित मध्यकालीन संतों को कालक्रमानुसार लगाइये:

(a) रामानुज -शंकराचार्य -वल्लभाचार्य -मध्वाचार्य

(b) शंकराचार्य -रामानुज- मध्वाचार्य – वल्लभाचार्य

(c) रामानुज मध्वाचार्य शंकराचार्य वल्लभाचार्य

(d) वल्लभाचार्य मध्वाचार्य शंकराचार्य रामानुज –

39. अमीर-उल-उमरा की उपाधि किसे प्राप्त थी?

(a) स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने वाले सेनापति

(b) युद्ध में जीते गए गुलाम

(c) अफ्रासियाब के वंशज

(d) इनमें से कोई नहीं।

40. 'चतुर्दान' निम्नलिखित में से किस सिद्धांत से संबंधित है ?

(a) बौद्ध सिद्धांत

(b) जैन सिद्धांत

(c) ईसाई सिद्धांत

(d) जैन और बौद्ध दोनों

41. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (उपवेद)	**सूची-II (सम्बन्धित वेद)**
A. आयुर्वेद	**1. ऋग्वेद**
B. धनुर्वेद	**2. यजुर्वेद**
C. शिल्पवेद	**3. अथर्ववेद**
D. गंधर्ववेद	**4. सामवेद**

कूटः

A B C D

(a) 1 2 3 4 (b) 2 1 4 3

(c) 3 41 2 (d) 3 1 4 2

42. निम्नलिखित मगध राजवंशों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये-

1. नंद वंश **2. शुंग वंश**

3. मौर्य वंश **4. हर्यंक वंश**

उत्तर निम्न कूटों में से चुनिए-

(a) 2, 1, 4 व 3 (b) 4, 1, 3 एवं 2

(c) 3, 2, 1 एवं 4 (d) 1,3,4 एवं 2

43. संगमकालीन व्यापार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) दक्षिण भारत सोना, मसाले, खासतौर पर काली मिर्च तथा कीमती पत्थरों के लिये प्रसिद्ध था।

(b) काली मिर्च की रोमन साम्राज्य में इतनी मांग थी कि इसे 'काले सोने' के नाम से बुलाते थे।

(c) व्यापारी इन सामानों को ले जाने के लिये केवल समुद्री मार्गों का प्रयोग करते थे।

(d) दक्षिण भारत से रोम से व्यापार के प्रमाण स्वरूप अनेक रोमन सोने के सिक्के मिले हैं।

44. चोल, चेर तथा पांड्य शासकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. पुहार और मदुरै इनके महत्त्वपूर्ण सत्ता केन्द्रों में सम्मिलित थे।

2. ये लोगों से नियमित कर के बजाय उपहारों की मांग करते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

45. पूर्व मध्यकालीन सामन्तों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथना पर विचार कीजिये-

1. इनकी अपनी सेना होती थी तथा आवश्यकता पड़ने पर ये राजा को सहायता देते थे।

2. इन्हें कोई नियमित वेतन नहीं दिया जाता था।

3. जहाँ शासक दुर्बल होते थे ये स्वतंत्र होने का प्रयास करते थे। उपर्युक्त कथनों में से कौन-से/सा कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1,2 और 3

46. दक्षिण भारत के राज्यों की विभिन्न स्थानीय सभाओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सुमेलित है/हैं?

1. सभा : ब्राह्मण भूस्वामियों का संगठन

2. उर: ग्राम सभा

3. नगरम् : शिल्पकारों का संगठन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये-

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2 (d) केवल 2 और 3

47. स्तूपों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) स्तूप का शाब्दिक अर्थ 'टीला' होता है।

(b) स्तूपों सजावट के लिये रखा जाने वाला गोल धातु का डिब्बा 'धातु-मंजूषा' कहलाता है।

(c) स्तूपों के चारों ओर परिक्रमा हेतु बना वृत्ताकार पथ 'प्रदक्षिणा पथ' कहलाता है।

(d) प्रदक्षिणा पथ को रेलिंग से घेर दिया जाता था। जिसे 'वेदिका' कहते हैं।

48. पूर्व मध्यकालीन आरंभिक हिन्दू मन्दिरों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. मन्दिरों का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग 'मण्डप' होता था।

2. मन्दिरों में 'गर्भगृह' नाम की एक जगह होती थी। यह एक सभागार होता था जहाँ लोग एकत्र होते थे।

3. गर्भगृह के ऊपर काफी ऊँचाई तक निर्माण किया जाता था, जिसे 'शिखर' कहते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 व 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

49. निम्नलिखित वैदिक देवताओं को उनके कार्यों के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची-1	**सूची-II**
A. दयो	**1.आकाश का देवता**
B. सवित्	**2. आग का देवता**
C. अग्नि	**3. प्रातःकाल की देवी**
D. उषा	**4. सूर्य की प्रेरक शक्ति का देवता**

कूट

ABCD

(a) 1423 (b) 1342

(c) 2431 (d) 3421

50. कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में समझाया है कि -

(a) एक अच्छे शासन का संगठन किस प्रकार किया जाए।

(b) किस प्रकार योजनाबद्ध रूप से राजस्व जिसमें भू-राजस्व सम्मिलित है, संग्रह करना चाहिये।

(c) धन अर्जित करना चाहिये तथा अर्जन की विधि सीखनी चाहिये।

(d) एक अर्थपूर्ण जीवन जीने की कला सीखनी चाहिये।

51. गांधार कला शैली एक संश्लेषण है-

(a) भारतीय तथा फारसी कला का

(b) भारतीय तथा चीनी कला का

(c) भारतीय तथा तुर्की-अफगानी कला का

(d) भारतीय तथा यूनानी कला का

52. गुप्तकालीन व्यापार केंद्रों या बंदरगाहों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ताम्रलिप्ति बंदरगाह से दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के साथ सबसे ज्यादा व्यापार होता था।

2. भड़ौच, सोपारा और कल्याण पश्चिमी तट पर मुख्य बंदरगाह थे और वहाँ से भी दक्षिण पूर्व को जहाज भेजे जाते थे।

3. मालाबार तट पर स्थित अनेक बंदरगाहों से भारतीय वस्तुएँ अफ्रीका, अरब, ईरान तथा भूमध्य सागरीय देशों को ले जाई जाती थीं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3 (d) उपर्युक्त सभी

53. दक्षिण भारत में स्थित अरिकामेडु का रोमन नाम निम्नलिखित में से कौन-सा था ?

(a) पोडुका (b) बेरिगाजा

(c) मसुलिपत्तनम् (d) मुजिरिम

54. चोल किसके सामंत थे?

(a) पल्लवों के (b) राष्ट्रकूटों के

(c) चेरों (d) चालुक्यों के

55. निम्न में से किस राजवंश ने धनी भूस्वामियों को 'मुर्वेदवेलन' और 'अरइयार' जैसी उपाधियाँ प्रदान कीं?

(a) चोल (b) चालुक्य

(c) राष्ट्रकूट (d) पांड्य

56. निम्नलिखित में से कौन-सा एक बौद्ध मत में निर्वाण की अवधारणा की सर्वश्रेष्ठ व्याख्या करता है?

(a) तृष्णारूपी अग्नि का शमन

(b) यं की पूर्णतः अस्तित्वहीनता

(c) परमानंद एवं विश्राम की स्थिति

(d) धारणातीत मानसिक अवस्था

57. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं ?

1.लोथल : प्राचीन गोदी क्षेत्र

2.सारनाथ : बुद्ध क़ा प्रथम धर्मोपदेश

3.राजगीर :अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष

4.नालंदा :बौद्ध अधिगम का महान पीठ

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 3 और 4

(c) 1, 2 और 4 (d) 1 और 2

58. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिनमें एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है, दोनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें-

कथन (A) : बारहवीं शताब्दी के अंत तक नालंदा महाविहार का पतन हो गया

कारण (R) : महाविहार को राजकीय प्रश्रय मिलना बंद हो गया था।

उपर्युक्त दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन सही है ?

(a) (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्य करता है।

(b) (A) और (R) सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्य नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) गलत है, परंतु (R) सही है।

59. निम्नलिखित में से कौन-कौन से सिद्धांत जैन धर्म से संबंधित हैं ?

I.अनेकांतवाद **II. सर्वस्तिवाद**

III.शून्यवाद **IV.स्याद्वाद**

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(a) (i) एवं (iv) (b) (ii) एवं (iv)

(c) (i), (ii) एवं (iii) (d) (ii) एवं (iii)

60. चोल काल में 'लुप्तमोम' तकनीक का प्रयोग किसके निर्माण के लिये किया जाता था?

(a) घरेलू उपयोग के बर्तन निर्माण में

(b) कांस्य मूर्तियों के निर्माण में

(c) हथियारों के निर्माण में

(d) प्रसाधन सामग्री के निर्माण में

61. विजय नगर साम्राज्य के अंतर्गत हम्पी के बाज़ारों में 'मूरों' शब्द किनके लिये प्रयुक्त होता था?

(a) पुर्तगाली व्यापारियों के लिये

(b) अंग्रेज़ व्यापारियों के लिये

(c) मुस्लिम सौदागरों के लिये

(d) चीनी व्यापारियों के लिये

62. 'मणिप्रवालम्' क्या है?

(a) नृत्य शैली

(b) निर्माण कार्य शैली

(c) चित्रकला शैली

(d) भाषा शैली

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कात्यायन स्मृति के अनुसार स्त्रियों को भूमि में अधिकार प्राप्त था।

2. रोमक सिद्धांत नामक पुस्तक का विषय गणित है।

3. गुप्त काल में झाँसी के देवगढ़ मंदिर का निर्माण हुआ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

64. गुप्त शासकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. इलाहाबाद का प्रशंसात्मक अभिलेख स्कन्दगुप्त की विजयों का वर्णन करता है।

2. दिल्ली के कुतुब मीनार के पास खड़े एक लौह स्तंभ पर खुदे अभिलेख में चंद्रगुप्त द्वितीय का कीर्तिवर्णन किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सत्य हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

65. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नागार्जुनकोंड के स्तूप भित्ति-प्रतिमाओं से सुसज्जित हैं।

2. अमरावती में स्तूपों के साथ-साथ हिंदू मंदिर भी बने हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

66. सातवाहन राज्य के उदय में सहायक परिस्थितियों के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजियेः

1. लोहे के फाल का प्रयोग

2. धान रोपण विधि

3. नगरीकरण

4. लेखन-कला

उपर्युक्त में कौन-से सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1,2 और 3

(d) 1, 2, 3 और 4

67. बौद्ध धर्म से संबंधित सर्वाधिक प्राचीन पट्टचित्र निम्नलिखित में से कौन-से स्थानों पर पाए गए हैं?

1. गया **2. साँची**

3. भरहुत **4. वैशाली**

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनियेः

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

68. मौर्य काल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) उज्जैन और तक्षशिला के अधिकारियों का स्थानांतरण होता था।

(b) इस काल में आहत रजत-मुद्राओं का प्रचलन नहीं था।

(c) पूर्वोत्तर भारत में सर्वप्रथम पकाई हुई ईंटों का प्रयोग हुआ।

(d) सातवाहनों ने मौर्य शासन प्रणाली का अनुकरण किया।

69. चालुक्य शासक विक्रमादित्य षष्ठ के दरबार में निम्नलिखित में कौन थे।

1. कंबन **2. विल्हण**

3. विज्ञानेश्वर **4. सोमदेव**

5. गोविदचंद्र

कूट :

(a) केवल 1, 2 व 3 (b) केवल 2 व 3

(c) केवल 2, 3 व 4 (d) केवल 3, 4 व 5

70. चोलों द्वारा 'क्षत्रिय-शिखा-मणि' की उपाधि दी जाती थी-

(a) सैनिकों को (b) राजाओं को

(c) नगर अधिकारियों को (d) पुरोहितों को

71. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए -

सूची-I	सूची-II
A. कुरिन्जी	1. आखेट एवं खाद्य संग्रहण
B. मुल्लई	2. पशुपालन एवं खाद्य उत्पादन
C. मरूदम	3. खाद्य उत्पादन एवं भंडारण
D. नेयतल	4. मत्स्यग्रहण एवं नमक उत्पादन

कूट :

A B C D

(a) 1 2 3 4 (b) 2 1 4 3

(c) 3 41 2 (d) 3 1 4 2

72. निम्नलिखित में से किन राज्य शक्तियों के अभिलेखों में स्कंद की पूजा पूजा का उल्लेख है - -

1. सातवाहन **2. यौधष**

3. इक्ष्वांकु **4. चेंदी**

नीचे दिये गए कूट से सही उत्तर का चयन करें रें -

(a) 2 एवं 3

(b) 1, 2, 3 एवं 4

(c) 1 एवं 2

(d) इनमें से कोई नहीं

73. महासांधिकों के अनुसार जीव किससे निर्मित है-

(a) पंचधर्म

(b) सप्तधर्म

(c) नवधर्म

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

74. सूची-1 को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट के द्वारा सही उत्तर का चयन करें -

सूची-1 (बौद्ध संगीति)	सूची-II (अध्यक्ष)
A. प्रथम संगीति	1. महाकस्सप
B. द्वितीय संगीति	2. साबकमीर (सर्वकामनी)
C. तृतीय संगीति	3. मोग्गलिपुत्त तिस्स
D. चतुर्थ संगीति	4. वसुमित्र, अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

कूट :-

ABCD

(a) 1 3 2 4 (b) 1 2 3 4

(c) 4 3 2 1 (d) 1 4 2 3

75. कथन (A) : ऋग्वैदिक काल में पुत्री के पैदा होने की कामना नहीं की जाती थी।

कारण (R) : ऋग्वेद काल में स्त्रियों की स्थिति दयनीय थी।

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या कर रहा हैं

(b) A और R दोनों सही हैं किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं कर रहा है

(c) A सही है, R गलत है

(d) A गलत है, R सही है

76. गंगा के मैदान में नई भौतिक संस्कृति के विकास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

1. लोहे का प्रचुर प्रयोग।

2. आहत मुद्राओं की उपलब्धता।

3. लेखन कला का प्रयोग।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनियेः

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

77. निम्नलिखित में से कौन-सा/से बौद्ध विद्या केन्द्र है/हैं?

1. नालंदा **2. विक्रमशीला**

3. वलभी **4. तक्षशिला**

कूटः

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

78. भारत में निम्नलिखित के आने का सही कालानुक्रम क्या है?

(a) लोहे का हल→ नगर संस्कृति→पंचमार्क्स → सोने के सिक्के

(b) नगर संस्कृति→ पंचमार्ड→सोने के सिक्के→ लोहे का हल

(c) नगर संस्कृति →लोहे का हल →पंचमार्क्स → सोने के सिक्के

(d) पंचमार्क्स → नगर संस्कृति→सोने के सिक्के→लोहे का हल

79. जैन दर्शन के अनुसार, सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण –

(a) सार्वभौमिक विधान से हुआ है। (b) सार्वभौमिक सत्य से हुआ है।

(c) सार्वभौमिक आस्था से हुआ है। (d) सार्वभौमिक आत्मा से हुआ है।

80. जैन साहित्य से संबंधित निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सटीक विकल्प को चुनिए-

कथन I : श्वेतांबर धर्मसूत्र में 12 अंग शामिल हैं।

कथन II : श्वेतांबर परंपरा अनुसार, इन अंगों का संकलन वल्लभी में आयोजित एक धर्मसभा में किया गया था।

(a) कथन I एवं कथन II दोनों ही सही हैं।

(b) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(c) कथन I एवं कथन II दोनों ही गलत हैं।

(d) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

81. चोल काल में भूमि के प्रकार के संबंध में निम्लिखित में असत्य कथन की पहचान कीजिये

(a) वेल्लनवगाई : गैर ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि ।

(b) ब्रह्मदेय : ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि

(c) शालाभोग : किसी विद्यालय के रख-रखाव की भूमि

(d) पल्लिच्चंदम : मंदिर को उपहार में दी गई भूमि ।

82. ब्रिटिश काल में किन प्रांतों को प्रेसीडेंसी कहा जाता था?

1. बंगाल

2. मध्य प्रांत

3. बंबई

4. पंजाब

कूटः

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 3 और 4

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1,3 और 4

83. निम्नलिखित में से कौन सा वक्तव्य सही नहीं है?

(a) भारत में पाषाणकालीन मानव जीवाश्म प्राप्त नहीं हुए हैं।

(b) पुरापाषाणकालीन उपकरणों पर मानव गतिविधियाँ प्राप्त नहीं हुई है।

(c) नवपाषाणकाल में मानव समाज की रचना नहीं हई थी।

(d) प्रागैतिहासिक शैलाश्रयों में मानव गतिविधियाँ चित्रित नहीं है।

84. निम्न में से सर्वप्रथम किसने यह विचार व्यक्त किया था कि आर्यों ने भारत में पश्चिमोत्तर से प्रवेश किया था और हड़प्पा संस्कृति को नष्ट किया?

(a) ग्रिफिथ

(b) प्रिन्सेस

(c) ह्वीलर

(d) मैक्समूलर

85. निम्नलिखित में से किस लेखक ने सर्वप्रथम सामन्त शब्द का प्रयोग अधीनस्थ शासक के अर्थ में किया?

(a) बाणभट्ट

(b) अश्वघोष

(c) मनु

(d) नारद

86. वास्तुशास्त्र की किस रचना में विविध प्रकार की नावों के निर्माण का उल्लेख मिलता है?

(a) समरांगणसूत्रधार

(b) युक्तिकल्पतरु

(c) अपराजित पृच्छा

(d) मानसार

87. निम्न शासकों में से किसे मिहिरकुल द्वारा अपने चरणों की वन्दना कराने का श्रेय मिलता है?

(a) स्कन्दगुप्त

(b) यशोधर्मा

(c) कुमारगुप्त प्रथम

(d) ईशानवर्मा

88. गुप्त तथा गुप्तोत्तर अभिलेख में वर्णित 'नल' शब्द का आशय है-

(a) सिंचाई का साधन (b) भूमि की माप

(c) जलनिकास व्यवस्था (d) अनाज की माप

89. निम्नलिखित में से किसने यूज्ञिय वैदिक परम्परा का समर्थन किया तथा सन्यास के सिद्धान्त का विरोध किया?

(a) गौडपाद (b) कुमारिल

(c) रामानुज (d) यामुनाचार्य

90. पेरिप्लस ऑफ दि इरीथ्रियन सी' कहाँ से कहाँ तक की समुद्री यात्रा का वर्णन करता है?

(a) अरब सागर से बंगाल की खाड़ी तक)

(b) अरब सागर से भूमध्य सागर तक

(c) लाल सागर से बैक्ट्रिया तक

(d) लाल सागर से भारत तक

91. निम्नलिखित चार स्थानों में हुई बौद्ध संगीतियों का सही कालक्रम उनके नीचे दिये गए कूट से चुनिये-

1. वैशाली **2. राजगृह**

3. कुण्डलवन **4.पाटलिपुत्र.**

कूटः

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1

(c) 2,1,3,4 (d) 2,1,4,3

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं कूट के माध्यम से सुमेलित कीजिए-

सूची-1 (जनपद)	**सूची-II (राजधानियाँ)**
A. अश्मक	**1. पोतन**
B. मूलक	**2.प्रतिष्ठान**
C. कलिंग,	**3.तोसली**
D. अवन्ति	**4. उज्जयिनी**

कूट :-

ABCD

(a) 1 2 3 4 (b) 2 3 4 1

(c) 3 4 1 2 (d) 4 1 2 3

93. मौर्य शासन-व्यवस्था में रूपदर्शक नामक अधिकारी/था-

(a) चाँदी तथा अन्य धातुओं का परीक्षक (b) गणिकाओं का प्रभारी

(c) रंगमंच का प्रबन्धक (d) सिक्कों का परीक्षक

94. संगम साहित्य में वर्णित 'कन्नगी' है-

(a) एक पक्षीय प्रेम (b) अनुचित प्रेम

(c) तमिल महाकाव्य की नायिका (d) व्यापारियों का समूह

95. गुप्तोत्तर काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवस्थाओं के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) भूमि अनुदानों की संख्या में वृद्धि हुई

(b) जातियों की संख्या में वृद्धि हुई

(c) केन्द्रीय नियन्त्रण में वृद्धि हुई

(d) तान्त्रिक क्रियाकलापों में वृद्धि हुई

96. गुप्तकाल में भूमि आलेखों को सुरक्षित रखने के लिए नियुक्त पदाधिकारी को कहा जाता था-

(a) ध्रुवाधिकरण (b) करणिक

(c) समाहर्ता (d) शोल्किक

97. निम्न में से कौन सही है?

(a) महावीर से पूर्व जैन धर्म अस्तित्व में नहीं था।

(b) महावीर जैन धर्म के संस्थापक थे।

(c) महावीर ने पार्श्वनाथ से चार आयामों में एक और आयाम जोड़ा था।

(d) एक नवीन पन्थ के संस्थापक की अपेक्षा महावीर सुधारक अधिक थे।

98. अदेवमातृक भूमि उस भूमि को कहते थे-

(a) जिसकी सिंचाई के लिए पर्याप्त वर्षा होती थी।

(b) जिसकी सिंचाई कृत्रिम साधनों से होती थी।

(c) जिसकी सिंचाई किसी साधन से नहीं होती थी।

(d) जो कब्रों से भरी होती थी।

99. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A): सातवाहन काल में समाज चार जातियों में बँटा था जिसका आधार व्यवसाय था।

कारण (R): वे एक प्रगतिशील समाज चाहते थे जो विविध प्रकार की संकीर्ण प्रवृत्तियों से मुक्त हो।

उपरोक्त वक्तव्यों के सन्दर्भ में कौन एक सही है?

कूटः

(a) और R दोनों सही हैं तथा A की सही व्याख्या R है।

(b) A और R दोनों सही हैं किंतु A की सही व्याख्या R नहीं है।

(c) A सही है, किन्तु R गलत है।

(d) A गलत है, किन्तु R सही है।),

100. किस विषय से सम्बन्धित एक भारतीय ग्रन्थ का फारसी रूपान्तर है?

(a) आयुर्विज्ञान (b) ज्योतिष

(c) संगीत (d) दर्शन

101. संगम कविताओं में 'मुवेन्दार' की चर्चा मिलती है। यह एक तमिल शब्द है। इसका अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

(a) ग्राम प्रधान (b) गृहपति

(c) तीन मुखिया (d) सरदार

102. पुरातात्त्विक साक्ष्यों के आधार पर निम्नलिखित में से किस स्थल को नवपाषाणकालीन कृषि-आधारित बस्ती के रूप में विशेष रूप से जाना जाता है?

(a) इनामगाँव (b) आहड़

(c) बुर्जहोम (d) अरिकामेडु

103. निम्नलिखित में से किस स्थल से नवपाषाणकालीन गड्ढा-आवास (pit dwellings) के प्रमाण विशेष रूप से प्राप्त हुए हैं?

(a) चिरांद (b) लोथल

(c) धौलावीरा (d) बुर्जहोम

104. निम्नलिखित में से किस पुरास्थल का संबंध प्रारम्भिक कृषि तथा पशुपालन के साक्ष्यों से जोड़ा जाता है?

(a) मेहरगढ़ (b) सांची

(c) नालंदा (d) अमरावती

105. ऋग्वैदिक समाज के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. सभा और समिति दोनों राजनीतिक संस्थाएँ थीं।

2. विदथ का उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।

3. राजा का पद पूर्णतः वंशानुगत और निरंकुश था।

सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

106. ऋग्वेद में 'दशराज्ञ युद्ध' मुख्यतः किस नदी के तट पर हुआ माना जाता है?

(a) सरस्वती (b) विपाशा

(c) परुष्णी (d) यमुना

107. उत्तर वैदिक काल के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा परिवर्तन सबसे उपयुक्त है?

(a) पशुपालन का पूर्ण अंत

(b) नगरों का पूर्ण लोप

(c) समुद्री व्यापार का अंत

(d) लोहे के प्रयोग और कृषि विस्तार में वृद्धि

108. निम्नलिखित में से कौन-सा वैदिक साहित्य का सही क्रम दर्शाता है?

(a) संहिता → ब्राह्मण → आरण्यक → उपनिषद

(b) ब्राह्मण → संहिता → आरण्यक → उपनिषद

(c) उपनिषद → संहिता → ब्राह्मण → आरण्यक

(d) आरण्यक → ब्राह्मण → संहिता → उपनिषद

109. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलित है?

(a) ऐतरेय ब्राह्मण — सामवेद (b) शतपथ ब्राह्मण — शुक्ल यजुर्वेद

(c) ताण्ड्य ब्राह्मण — ऋग्वेद (d) गोथपथ ब्राह्मण — यजुर्वेद

110. महाजनपदों के उदय के संदर्भ में 'द्वितीय नगरीकरण' की प्रमुख विशेषता क्या थी?

(a) केवल तटीय नगरों का विकास

(b) सभी ग्रामीण बस्तियों का अंत

(c) गंगा घाटी में नगरों और व्यापारिक केंद्रों का पुनरुत्थान

(d) केवल दक्षिण भारत में नगरीकरण

111. निम्नलिखित में से किस महाजनपद की राजधानी श्रावस्ती थी?

(a) वत्स

(b) अंग

(c) अवंति

(d) कोशल

112. बौद्ध दर्शन में 'प्रतीत्यसमुत्पाद' का केंद्रीय आशय क्या है?

(a) कारण-कार्य संबंध में परस्पर निर्भर उत्पत्ति

(b) आत्मा की शाश्वतता

(c) ईश्वर की सर्वोच्च सत्ता

(d) वेदों की अपौरुषेयता

113. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध त्रिरत्न का हिस्सा नहीं है?

(a) बुद्ध (b) निर्वाण

(c) धम्म (d) संघ

114. बौद्ध धर्म के संदर्भ में 'उपासक' और 'उपासिका' शब्द क्रमशः किसके लिए प्रयुक्त होते हैं?

(a) भिक्षु और भिक्षुणी

(b) राजा और रानी

(c) गृहस्थ पुरुष और गृहस्थ स्त्री अनुयायी

(d) आचार्य और शिष्य

115. जैन दर्शन में 'अनेकांतवाद' का सबसे उपयुक्त अर्थ क्या है?

(a) केवल एक ही दृष्टिकोण सत्य है

(b) कर्म का पूर्ण निषेध

(c) ईश्वरवाद की स्थापना

(d) वस्तु के अनेक पक्षों को स्वीकार करना

116. निम्नलिखित में से कौन-सा जैन त्रिरत्न का सही समूह है?

(a) सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र

(b) अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य

(c) ज्ञान, कर्म, भक्ति

(d) शील, समाधि, प्रज्ञा

117. मौर्य प्रशासन में 'धम्म महामात्र' मुख्यतः किससे संबंधित अधिकारी थे?

(a) केवल सैन्य भर्ती

(b) धम्म तथा लोककल्याण संबंधी कार्य

(c) सिर्फ भू-राजस्व संग्रह

(d) विदेशी व्यापार

118. अशोक के अभिलेखों के अध्ययन में 'देवानांपिय पियदस्सी' की पहचान किस शासक से की गई है?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य

(b) बिन्दुसार

(c) अशोक

(d) दशरथ

119. निम्नलिखित में से किस अशोक अभिलेख में कलिंग युद्ध के बाद के पश्चाताप का स्पष्ट उल्लेख मिलता है?

(a) प्रमुख शिलालेख I

(b) स्तंभ लेख VII

(c) लघु शिलालेख I

(d) प्रमुख शिलालेख XIII

120. मौर्यकालीन प्रशासन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अधिक उपयुक्त है?

(a) केंद्रीय सत्ता के साथ प्रांतीय और स्थानीय प्रशासनिक तंत्र था

(b) संपूर्ण प्रशासन स्थानीय गणों को सौंपा गया था

(c) राजस्व व्यवस्था का अभाव था

(d) सेना का कोई स्थायी संगठन नहीं था

121. निम्नलिखित में से किस स्रोत में मौर्यकालीन नगर प्रशासन की समितियों का वर्णन मिलता है?

(a) अर्थशास्त्र

(b) मेगस्थनीज का विवरण

(c) हर्षचरित

(d) राजतरंगिणी

122. शुंग वंश के संस्थापक के रूप में किसे जाना जाता है?

(a) अग्निमित्र

(b) वसुमित्र

(c) पुष्यमित्र शुंग

(d) भागभद्र

123. सातवाहन प्रशासन में 'आहार' शब्द का प्रयोग सामान्यतः किस अर्थ में मिलता है?

(a) सैन्य शिविर

(b) धार्मिक अनुष्ठान

(c) व्यापारिक संघ

(d) प्रशासनिक इकाई

124. कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की किस शाखा के विकास को विशेष संरक्षण मिला?

(a) महायान

(b) थेरवाद

(c) आजीवक

(d) लोकायत

125. कुषाणकालीन स्वर्ण सिक्कों की विशेषता के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(a) उन पर केवल रोमन शासकों के चित्र थे

(b) उन पर विभिन्न ईरानी, यूनानी और भारतीय देवताओं के चित्र मिलते हैं

(c) उन पर कोई देवता नहीं दर्शाया गया

(d) वे केवल तांबे के बने थे

126. गुप्तकालीन प्रशासन के संदर्भ में 'भुक्ति' और 'विषय' क्रमशः किससे संबंधित थे?

(a) ग्राम और परिवार

(b) सेना और कर

(c) प्रांत और जिला-सदृश इकाई

(d) बंदरगाह और बाजार

127. गुप्तकाल में 'उपरिक' पदाधिकारी का संबंध सामान्यतः किससे था?

(a) ग्राम के लेखांकन से

(b) सेना की घुड़सवार इकाई से

(c) बंदरगाह प्रशासन से

(d) भुक्ति के प्रशासन से

128. प्रयाग प्रशस्ति के लेखक कौन थे?

(a) हरिषेण (b) बाणभट्ट

(c) विशाखदत्त (d) कालिदास

129. नालंदा महाविहार के प्रारंभिक विकास का श्रेय किस गुप्त शासक के काल से जोड़ा जाता है?

(a) चन्द्रगुप्त प्रथम

(b) कुमारगुप्त प्रथम

(c) स्कन्दगुप्त

(d) चन्द्रगुप्त द्वितीय

130. अजंता की गुफाओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) ये केवल जैन गुफाएँ हैं

(b) इनका निर्माण केवल गुप्तों ने कराया

(c) इनमें बौद्ध विषयों से संबंधित चित्र और शिल्प मिलते हैं

(d) यहाँ कोई चित्रकला नहीं मिलती

131. संगम साहित्य के संदर्भ में 'पट्टुप्पाट्टु' और 'एट्टुत्तोकै' किससे संबंधित हैं?

(a) बौद्ध विनय ग्रंथ

(b) जैन आगम

(c) संस्कृत नाटक

(d) तमिल साहित्य के संकलन

132. प्राचीन दक्षिण भारत में 'यवन' शब्द का प्रयोग सामान्यतः किस संदर्भ में मिलता है?

(a) विदेशी/यूनानी-रोमन लोगों के लिए

(b) केवल स्थानीय कृषक

(c) बौद्ध भिक्षुओं के लिए

(d) जनजातीय मुखियाओं के लिए

133. निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय ग्रंथ में नगर, राज्य और अर्थव्यवस्था के प्रशासन पर व्यवस्थित चर्चा मिलती है?

(a) नाट्यशास्त्र

(b) अर्थशास्त्र

(c) अष्टाध्यायी

(d) चरक संहिता

134. पाणिनि की 'अष्टाध्यायी' का प्रमुख विषय क्या है?

(a) चिकित्सा

(b) खगोलशास्त्र

(c) व्याकरण

(d) राजनीति

135. पतंजलि की 'महाभाष्य' मुख्यतः किस ग्रंथ पर भाष्य है?

(a) अर्थशास्त्र

(b) मनुस्मृति

(c) नाट्यशास्त्र

(d) अष्टाध्यायी

136. चरक संहिता और सुश्रुत संहिता क्रमशः मुख्यतः किन क्षेत्रों से संबंधित हैं?

(a) चिकित्सा और शल्यचिकित्सा

(b) व्याकरण और दर्शन

(c) ज्योतिष और गणित

(d) राजनीति और अर्थशास्त्र

137. प्राचीन भारतीय स्थापत्य में 'चैत्य' और 'विहार' के बीच मुख्य अंतर क्या था?

(a) दोनों केवल राजमहल थे

(b) चैत्य पूजा/प्रार्थना स्थल और विहार भिक्षुओं का निवास था

(c) चैत्य बाजार और विहार बंदरगाह था

(d) दोनों का कोई धार्मिक संबंध नहीं था

138. सांची के महान स्तूप के मूल निर्माण का संबंध किस शासक से जोड़ा जाता है?

(a) कनिष्क

(b) समुद्रगुप्त

(c) अशोक

(d) हर्ष

139. भारतीय शैलकृत वास्तुकला में 'कार्ले' विशेष रूप से किसके लिए प्रसिद्ध है?

(a) गुप्तकालीन मंदिर

(b) जैन स्तंभ

(c) सातवाहन राजमहल

(d) बौद्ध चैत्यगृह

140. निम्नलिखित में से किस स्थल से प्राचीन जल-प्रबंधन की उन्नत व्यवस्था का उल्लेखनीय प्रमाण मिलता है?

(a) धौलावीरा

(b) कौशाम्बी

(c) श्रावस्ती

(d) तक्षशिला

141. हड़प्पाई संदर्भ में 'मेलुहा' शब्द का उल्लेख मुख्यतः किस प्रकार के बाहरी स्रोतों में मिलता है?

(a) चीनी यात्रियों के वृत्तांतों में

(b) मेसोपोटामियाई अभिलेखों में

(c) रोमन कानूनों में

(d) यूनानी महाकाव्यों में

142. हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है?

(a) कालीबंगा — अशोक स्तंभ

(b) धौलावीरा — गुप्तकालीन विश्वविद्यालय

(c) लोथल — गोदी/बंदरगाह जैसी संरचना

(d) राखीगढ़ी — बौद्ध स्तूप

143. निम्नलिखित में से किस स्थल से अग्निकुण्ड/अग्निवेदियों के प्रमाण विशेष रूप से जुड़े हैं?

(a) सारनाथ
(b) नालंदा

(c) उज्जैन
(d) कालीबंगा

144. प्राचीन भारतीय इतिहास में 'गण-संघ' व्यवस्था की विशेषता के रूप में क्या माना जाता है?

(a) कुलीन/प्रतिनिधि समूह द्वारा सामूहिक निर्णय

(b) एक व्यक्ति का निरंकुश शासन

(c) सिर्फ धार्मिक शासन

(d) वंशहीन समाज

145. लिच्छवियों का प्रमुख राजनीतिक केंद्र किस स्थान से संबद्ध था?

(a) राजगृह

(b) वैशाली

(c) पाटलिपुत्र

(d) उज्जयिनी

146. मगध के उत्कर्ष में निम्नलिखित में से कौन-सा भौगोलिक कारक सबसे अधिक सहायक था?

(a) केवल समुद्री तट (b) मरुस्थलीय स्थिति

(c) लोहे के संसाधनों तक पहुंच और उपजाऊ गंगा मैदान

(d) हिमालयी अलगाव

147. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

(a) अशोक — धम्म

(b) समुद्रगुप्त — प्रयाग प्रशस्ति

(c) कनिष्क — महायान संरक्षण

(d) बिम्बिसार — गुप्त वंश

148. प्राचीन भारत में 'श्रेणी' शब्द का सामान्य आर्थिक संदर्भ क्या था?

(a) व्यापारियों/शिल्पियों का संगठित संघ

(b) राजकीय सेना

(c) कृषि भूमि

(d) धार्मिक तीर्थ

149. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— 1. प्राचीन भारत में सिक्कों का प्रयोग व्यापार और कर-संबंधी लेन-देन में सहायक था। 2. पंचमार्क सिक्के केवल सोने के बने होते थे। सही विकल्प चुनिए।

(a) केवल 2

(b) केवल 1

(c) दोनों

(d) न तो 1 न 2

150. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन भारतीय समुद्री व्यापार के संदर्भ में सही है?

(a) समुद्री व्यापार केवल पूर्वी तट तक सीमित था

(b) रोमन व्यापार का कोई प्रमाण नहीं है

(c) मानसूनी पवनों ने समुद्री यात्राओं को अधिक नियमित और सुविधाजनक बनाया

(d) दक्षिण भारत का मसाला व्यापार नगण्य था

1.Answer: c

Solution: सिक्कों के अध्ययन को मुद्राशास्त्र (Numismatics) कहा जाता है।

भारत के प्रारम्भिक सिक्कों को आहत सिक्के (पंचमार्क सिक्के) कहा जाता था। इन सिक्कों व मुद्राओं पर कोई लेख नहीं होता था, केवल उन पर विभिन्न आकृतियाँ (मछली, हाथी, पेड़ आदि।) विद्यमान होती थीं।

इन पंचमार्क सिक्कों को सर्वप्रथम 1800 ई. में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में कर्नल कोल्डवेल द्वारा प्राप्त किया गया था।

भारत में सर्वप्रथम तिथि युक्त या लेख युक्त सिक्के हिन्द-यूनानी (हिन्द-यवन) शासकों द्वारा जारी किए गये थे।

प्रारंभिक सिक्कों में प्रतीकों का प्रयोग नहीं किया जाता था। बाद में राजाओं या जारीकर्ता के नाम (गिल्ड/व्यापारी), देवताओं या तिथियों का उल्लेख सिक्कों पर किया जाने लगा था। ये सिक्के कालानुक्रम के साथ धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास के निर्माण में सहायक हैं।

2.Answer: d

Solution: मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर पर पद्मासन की मुद्रा में विराजमान एक योगी का चित्र मिला है जिसे पशुपति की संज्ञा दी गयी है। इसके दायीं ओर चीता और हाथी तथा बायीं और गैंडा और भैंसा चित्रित किए गए हैं। सिर पर एक त्रिशूल जैसा आभूषण है तथा तीन मुख हैं। मार्शल ने इस देवता को 'रुद्र शिव' से सम्बन्धित किया है।

3.Answer: b

Solution: आर्यावर्त हिमालय से विन्धय तक का क्षेत्र ब्रह्मावर्त गंगा-यमुना दोआब व थानेश्वर का निकटवर्ती क्षेत्र सप्त सैन्धव! सरस्वती व दृषद्वती के मध्य का क्षेत्र प्रह्मर्षिदेश! सिन्धु, सरस्वती, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास व सतलज नदियों का क्षेत्र!

4.Answer: d

Solution: नियार्कस सिकन्दर का सेनापति था। स्ट्रेबो का काल 64 ई.पू. 19 ई. है। इसकी रचना 'ज्योग्राफी' है। इसमें सेल्यूकस और चन्द्रगुप्त मौर्य के बीच वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित होने तथा चन्द्रगुप्त की महिला अंगरक्षकों का उल्लेख किया है। प्लिनी द्वारा 75 ई. में रचित विश्वकोषीय रचना Natural History है। इसने यूनानी स्रोतों तथा पश्चिमी व्यापारियों की सूचनाओं के आधार पर भारत का विवरण लिखा है। अतः उपरोक्त बारों लेखकों का कालक्रम इस प्रकार–

नियार्कस-सिकन्दर का समकाललीन (326-325 ई.पू.)

स्ट्रेबो 64 -19 ईसा पूर्व

प्लिनी -75 ई.पू. लगभग

टॉलेमी -150 ई.पू. लगभग

5.Answer: d

Solution: हड़प्पा सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी। यह चार प्रमुख काँस्ययुगीन सभ्यताओं में से एक थी। यहाँ के लोग मुख्यतः काँस्य, ताँबा, सोना, चाँदी जैसी धातुओं को जानते थे। हड़प्पाई लोगों को कुल नौ फसलें ज्ञात थीं- गेहूँ की तीन किस्में, जौ की दो किस्में, कपास, खजूर, तरबूज़, मटर, राई, सरसों और तिल।

6.Answer: c

Solution: हड़प्पा सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक प्रमुख सभ्यता है। इसका विकास मुख्य रूप से सिन्धु और हकड़ा/घग्घर (प्राचीन सरस्वती) नदियों के किनारे हुआ था। मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, धौलावीरा, हड़प्पा और राखीगढ़ी इसके प्रमुख केन्द्र थे। इस सभ्यता के दौरान प्रथम बार काँसे के प्रयोग के कारण इसे कांस्य सभ्यता भी कहा जाता है। हड़प्पा सभ्यता में लेखन कला का प्रचलन थी। इसकी लिपि भावचित्रात्मक है और उनकी लिखावट क्रमशः दायी ओर से बायीं ओर की जाती थी। इसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है। प्रस्तर तथा धातु की मूर्तियाँ यद्यपि इस सभ्यता में कम प्रचलन में थे तथापि वे कलात्मक दृष्टि से उच्चकोटि की है। प्रस्तर (पत्थर) मूर्तियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध मोहनजोदड़ो से प्राप्त योगी अथवा पुरोहित की मूर्ति उल्लेखनीय है।

7.Answer: d

Solution: सर्वप्रथम विशुद्ध सोने के सिक्के जारी किए - कुषाण शासकों ने (विमकडफिसेस)

सर्वाधिक मात्रा में सोने के सिक्के जारी किए - गुप्त शासकों ने

सर्वाधिक ताँबे के सिक्के जारी किए - कुषाण शासकों ने

सर्वाधिक सीसे एवं टीन के सिक्के चलाये- सातवाहन शासकों ने

सर्वाफतूहलधिक सिक्के जारी किये- मौर्य शासकों ने

8.Answer: a

Solution: फाह्यान - फोगुओजी

अलबिलादुरी -फतूहल बुल्दान

अलमसूदी - महयल जहान

प्लिनी - नेचुरल हिस्ट्री

9.Answer: b

Solution: ताम्रपाषाणिक संस्कृतियाँ

अहाड़ संस्कृति - 2800-1500 ई० पू०

कायथा संस्कृति - 2450-1700 ई० पू०

सावलदा संस्कृति -2300-2000 ई० पू०

प्रभास संस्कृति - 2000-1400 ई० पू०

मालवा संस्कृति - 1900-1400 ई० पू०

रंगपुर संस्कृति -1700-1400 ई० पू०

जोरवे संस्कृति -1500-900 ई० पू०

10.Answer: d

Solution: A. योग दर्शन - आत्मा का परमात्मा से मिलन,पतंजलि द्वारा प्रतिपादित

B. वेशेषिक दर्शन - परमाणु सिद्धांत की चर्चा, कनाद द्वारा प्रतिपादित

C. न्याय दर्शन- तर्क का दर्शन, गौतम ऋषि द्वारा प्रतिपादित

D. उत्तर मीमांसा दर्शन केवल ब्रह्म को सत्य मानता है, बाद्वादरायण द्वारा प्रतिपादित!

11.Answer: a

Solution: सभी कथन सही सुमेलित है!

12.Answer: d

Solution: कनिष्क कुषाण वंश का प्रमुख शासक था जो इतिहास में अपने विजय, धार्मिक प्रवृत्ति, साहित्य तथा दया प्रेम के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। कनिष्क इतिहास में बौद्ध धर्म को संरक्षण देने के लिए भी जाना जाता है! इसके शासनकाल में कश्मीर में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया, इसकी अध्यक्षता वसुमित्र ने की थी। अश्वघोष, नागार्जुन और वसुमित्र सभी इसके समकालीन है। जबकि चाणक्य, मौर्य साम्राज्य का संस्थापक प्रथम शासक चन्द्रगुप्त मौर्य का समकालीन था। इतिहास में इसे कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता। है इसी ने भारतीय प्राचीन राजनीतिशास्त्र पर 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक की रचना की। अश्वघोष, नागार्जुन, वजुमित्र आदि सभी कनिष्क के दरबारी विद्वान थे।

13.Answer: b

Solution: सभी कथन सही है!

14.Answer: c

15.Answer: c

Solution: पाणिनि ने 'अष्टाध्यायी की रचना की। यह संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक है। मेगस्थनीज जोकि सेल्यूकस निकेटर का दूत था, ने 'इण्डिका' की रचना की। 'बुद्धचरित' की रचना, कुषाणवंशीय शासक कनिष्क के राजकवि अश्वघोष ने की। 'सौन्दरानन्द' एवं 'सूत्रालंकार' अश्वघोष की अन्य दो प्रमुख रचनाएँ हैं। मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त द्वारा की गई।

16.Answer: c

Solution: व्याख्या ह्वेनसांग एक प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु था. वह हर्षवर्द्धन के काल में भारत आया था. सत्रह वर्ष (629-645BC) तक भारत में रहा था। उसने कामरूप के राजकुमार भास्कर वर्मा के राज्यों का भी भ्रमण किया था। उसे यात्रियों का राजकमार कहा जाता है।

17.Answer: c

Solution: ह्वेनसांग एक प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु था. वह हर्षवर्द्धन के काल में भारत आया था. सत्रह वर्ष (629-645BC) तक भारत में रहा था। उसने कामरूप के राजकुमार भास्कर वर्मा के राज्यों का भी भ्रमण किया था। इसे यात्रियों का राजकुमार कहा जाता है।

18.Answer: b

Solution: प्राचीन भारत के कामरूप (असम) में वर्मन राजवंश के शासकों का वर्चस्व था। इस वंश का महत्त्वपूर्ण शासक पुष्यवर्मन था। कन्नौज के शासक हर्षवर्धन के समकालीन भास्करवर्मन इस वंश का अन्तिम महान शासक था।

19.Answer: a

Solution: 'अग्रहारम' या 'अग्रहार' उस ग्राम को कहा जाता था, जिसके वासी पूर्णतः ब्राह्मण हो। विभिन्न जाति वाले गाँवों के उस भाग को भी अग्रहारम कहते थे, जिसमें ब्राह्मण रहते थे। इन्हें चतुर्वेदीमंगलम' भी कहा जाता था।

20.Answer: a

Solution: गुप्तकाल (ईसा की पाँचवीं छठी शताब्दी) के प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलज्ञ वराहमिहिर थे। उनका जन्म उज्जैन के समीप 'कपिथा' गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तक 'वृहत्संहिता', 'वृहज्जातक' और 'पंचसिद्धान्तिका' हैं। 'वृहत्संहिता' में वास्तुविद्या, भवन निर्माण कला, वायुमण्डल की प्रकृति आदि सम्मिलित हैं। यह फलित ज्योतिष का भी ग्रन्थ है।

21.Answer: b

Solution: गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. लुम्बिनी में हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। 29 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग दिया, जिसे बौद्ध ग्रन्थों में महाभिनिष्क्रमण कहा गया है। बुद्ध के प्रारम्भिक गुरु आलार कलाम एवं रुद्रक रामपुत्र थे। बुद्ध के घोड़े का नाम कंथक तथा सारथी का नाम चन्ना था।

मक्खलिपुत्र (मक्खलिपुत्त) गोशाल ने आजीवक सम्प्रदाय की स्थापना की थी। जिसके अनुसार आत्मा को अनेकानेक पुनर्जन्मों के पूर्व निर्धारित अटल चक्र से गुजरना ही पड़ता है।

22.Answer: c

23.Answer: b

Solution: सोमदेव ने 'कथासरित्सागर की रचना की है। कालिदास ने 'मालविकाग्निमित्र' की रचना की भास ने
स्वप्नवासवदत्ता' की रचना की है। बिल्हण ने 'चौरपंचशिक' की रचना की है।
है।

24.Answer: c

Solution: रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख से ज्ञात होता है कि उसके शासन काल में सौराष्ट्र में सुदर्शन झील, जिसका निर्माण चन्द्रगुप्त के समय में हुआ था तथा अशोक के समय में इससे नहरें निकलवायी गयी थीं।

25.Answer: a

Solution: नवपाषाण काल में मनुष्य ने कपड़े बुनना सीख लिया था, इसके लिये कपास जैसे आवश्यक पौधे उगाने में अब मनुष्य सक्षम हो गया था। अतः विकल्प (A) सही उत्तर है।

26.Answer: a

Solution: याज्ञवल्क्य ने सर्वप्रथम स्त्रियों की सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकारों की वकालत की है। याज्ञवल्क्य ने पत्नी को भी पति की सम्पत्ति का उत्तराधिकारी बताया।

27.Answer: a

Solution: व्याख्याः कथन 1 सही है। हुँस्गी कर्नाटक में स्थित पुरापाषाणकालीन स्थल है। यहाँ से प्राप्त कुछ पुरास्थलों से अलग-अलग कार्यों में प्रयोग किये जाने वाले कई औज़ार मिले हैं।
हुँस्गी में अधिकांश औज़ार 'चूना पत्थरों' से बनाए जाते थे न कि बलुआ पत्थरों से। अतः कथन 2 गलत है।

28.Answer: a

Solution: नवपाषाण युग से प्राप्त उपकरण पुरापाषाण युग से भिन्न हैं। इसी कारण इस युग को नवपाषाण युग कहा गया है।
इनमें से कुछ औजारों में धार को अधिक पैना करने के लिये पॉलिश चढ़ाई जाती थी।
कुछ औजार हड्डियों से भी बनाए जाते थे। इस काल में पुरापाषाणिक औजारों का निर्माण और प्रयोग भी होता था। अतः कथन (A) गलत है।
चीजों को पीसने के लिये ओखली व मूसल का प्रयोग इस काल में किया जाता था जो आज हजारों सालों बाद भी प्रयोग में लाए जाते हैं।
इस काल के पुरास्थलों से विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन मिले हैं। कभी-कभी इन पर अलंकरण भी किया जाता था जिनका उपयोग 'चीजें' रखने के लिये किया जाता था। धीरे-धीरे लोग बर्तनों का प्रयोग खाना बनाने के लिये भी करने लगे।

29.Answer: d

Solution: मेगस्थनीज नगर के पदाधिकारियों को आस्टीनोमोई (Astynomoi) कहा जाता है।

30.Answer: a

Solution: कौशल अवंती एवं पांचाल की दो दो राजधानियां थी!

31.Answer: b

Solution: सही है!

संभावनाथ -3rd तीर्थंकर

सुमतिनाथ- 5th तीर्थंकर

विमलनाथ- 13th तीर्थंकर

मल्लिनाथ - 22th तीर्थंकर

32.Answer: d

Solution: संलेखना और संवर जैन धर्म से संबंधित पद हैं!

33.Answer: c

Solution: जैन कला

मानस्तंभ (Manastambha): मानस्तंभ, मंदिर के प्रवेश द्वार पर होते हैं जिसे देखकर व्यक्ति का मान या अहंकार स्वतः खत्म हो जाता है। मानस्तंभ में तीर्थंकर से सम्बंधित शिक्षाओं का चित्रण किया जाता है।

वसदिस जैन धर्म के अनुयायियों के आवास या कर्नाटक में अवस्थित मंदिर!

34.Answer: d

Solution: सर्ग (ब्रह्मांड का विकास), प्रतिसर्ग (ब्रह्मांड का समावेश), मन्वंतर (समय की पुनरावृत्ति की प्रकृति), वंश (राजाओं और ऋषियों की सूची) और वंशानुचरित (चरित्र-आधारित कहानियाँ) मिलकर पाँच मौलिक स्तंभ बनाते हैं, जो पौराणिक ग्रंथ या इतिहास का निर्माण करते हैं।

35.Answer: d

Solution: विनयपिटक से पता चलता है कि संघ में सभी व्यक्ति प्रवेश ले सकते थे। पुरुषों और स्त्रियों के रहने के लिये अलग व्यवस्था थी।

संघ में प्रवेश के लिये बच्चों को अपने माता-पिता से, दासों को अपने स्वामियों से, राजकर्मियों को अपने राजा से और कर्जदारों को अपने देनदारों से अनुमति लेनी होती थी।

विवाहित स्त्री को संघ में प्रवेश के लिये अपने पति से अनुमति लेना आवश्यक था, न कि माता-पिता से। अतः कथन (D) गलत है।

36.Answer: d

Solution: मौर्य साम्राज्य के तीनों महत्त्वपूर्ण राजाओं का वंशानुक्रम निम्नलिखित हैं - चन्द्रगुप्त, बिन्दुसार, अशोक।

अशोक बिन्दुसार का पुत्र था तथा बिन्दुसार चन्द्रगुप्त का।

37.Answer: d

Solution: कर नियमित ढंग से इकट्ठे किये जाते थे वहीं नजराना अनियमित रूप से जब भी संभव हो, इकट्ठा किया जाता था। अतः दोनों कथन गलत हैं। ऐसे नजराने विविध चीजों के रूप में प्रायः ऐसे लोगों से लिये जाते थे जो स्वेच्छा से इसे देते थे।

38.Answer: b

Solution: शंकराचार्य का जन्म नवीं सदी में केरल में हुआ था।

ग्यारहवीं सदी में रामानुज ने मोक्ष मार्ग पाने के लिये भगवतकृपा को महत्त्व दिया।

रामानुज का अनुसरण करते हुए दक्षिण भारत में मध्वाचार्य तथा उत्तर भारत में वल्लभाचार्य, रामानंद आदि विद्वान चिंतकों ने अपने विचार दिये।

39.Answer: a

Solution: नवीं सदी का अंत होते-होते अब्बासी खिलाफत का पतन हो चुका था। खलीफाओं ने एकता को कायम रखने के लिये एक तरीका अपनाया और कहा कि जो सेनापति अपने लिये स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने में कामयाब हो जाते हैं। उन्हें अमीर-उल- उमरा या सेनापतियों के सेनापति की उपाधि दी जाएगी। अतः अमीर-उल-उमरा स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने वाले सेनापति थे।

40.Answer: b

Solution: चतुर्दान एक जैन सिद्धांत है जिसमें विद्या, आहार, औषधि और आश्रय के दान शामिल हैं।

41.Answer: a

Solution: A. आयुर्वेद - ऋग्वेद

B. धनुर्वेद -यजुर्वेद

C. शिल्पवेद -अथर्ववेद

D. गंधर्ववेद - सामवेद

42.Answer: b

Solution: सही कालक्रम इस प्रकार है -

1. हर्यक वंश
2. नंद वंश
3. शुंग वंश
4. मौर्य वंश

43.Answer: c

Solution: कथन (A), (B) व (D) सही हैं परंतु (C) गलत है क्योंकि व्यापारी इन सामानों को रोम ले जाने के लिये समुद्री जहाजों और सड़कों दोनों मार्गों का प्रयोग करते थे।

व्यापारियों ने कई समुद्री रास्ते खोज निकाले थे। ये व्यापारी मानसूनी हवा का फायदा उठाकर अपनी यात्रा जल्दी पूरी कर लेते थे। वे अफ्रीका या अरब के पूर्वी तट से इस उपमहाद्वीप के पश्चिमी तट पर पहुँचने के लिये दक्षिणी-पश्चिमी मानसून का सहारा लेना पसंद करते थे।

व्यापार के प्रमाण हमें संगम कविताओं से भी मिलते हैं।

44.Answer: c

Solution: उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं। चोल, चेर और पांड्य के अपने-अपने दो-दो सत्ता केन्द्र थे। इनमें से एक तटीय हिस्से में और दूसरा अंदरूनी हिस्से में

था। इन छः केन्द्रों में से दो बहुत महत्त्वपूर्ण थे। एक था चोलों का पत्तन पुहार या कावेरीपत्तनम् और दूसरी थी पांड्यों की राजधानी मदुरै।
ये तीनों मुखिया (चोल, चेर, पांड्य) लोगों से नियमित कर के बजाय उपहारों की मांग करते थे। कभी-कभी सैनिक अभियानों के दौरान आस-पास के इलाकों से शुल्क वसूल करते थे। इनमें कुछ धन अपने पास रखते थे, बाकी अपने समर्थकों, नाते-रिश्तेदारों, सिपाहियों तथा कवियों के बीच बाँट देते थे।

45.Answer: d

Solution: उपर्युक्त सभी कथन सही हैं। पूर्व मध्यकाल में सामन्तों को नियमित वेतन नहीं दिया जाता था। बदले में इनमें से कुछ को भूमिदान दिया जाता था।
दी गई भूमि से ये कर वसूलते थे जिससे वे सेना तथा घोड़ों की देखभाल करते थे। साथ ही वे इससे युद्ध के हथियार जुटाते थे।

46.Answer: c

Solution: पल्लव अभिलेखों में कई स्थानीय सभाओं की चर्चा मिलती है। इनमें से एक था ब्राह्मण भूस्वामियों का संगठन जिसे 'सभा' कहते थे। ये सभाएँ उपसमितियों के ज़रिये सिंचाई, खेतीबाड़ी से जुड़े विभिन्न काम, सड़क निर्माण, स्थानीय मंदिरों की देखरेख आदि के काम करती थीं।
जिन क्षेत्रों में भूस्वामी ब्राह्मण नहीं थे वहाँ 'उर' नामक ग्राम सभा के होने की बात कही गई है। नगरम् व्यापारियों के एक संगठन का नाम था। सम्भवतः इन सभाओं पर धनी तथा शक्तिशाली भूस्वामियों और व्यापारियों का नियंत्रण था। इनमें बहुत-सी स्थानीय सभाएँ शताब्दियों तक काम करती रहीं।

47.Answer: b

Solution: स्तूप का शाब्दिक अर्थ 'टीला' होता है। स्तूप आकार में कभी गोल या लम्बे तो कभी बड़े या छोटे होते हैं। सभी स्तूपों में बुद्ध या उनके अनुयायियों के शरीर के अवशेष अथवा उनके द्वारा प्रयुक्त कोई चीज एक डिब्बे में रखी जाती थी। इसे 'धातु मंजूषा' कहते थे। स्तूप प्रायः इन्हीं धातु-मंजूषा के ऊपर रखा मिट्टी का टीला होता था। बाद में टीलों को ईंटों से ढक दिया गया। बाद के काल में उस गुम्बदनुमा ढाँचे को तराशे हुए पत्थरों से ढक दिया गया। अतः कथन (B) गलत है। अन्य कथन सही हैं।
वेदिका में प्रवेश द्वार बने होते थे। रेलिंग तथा तोरण प्रायः मूर्तिकला की सुंदर कलाकृतियों से सजे होते थे। उदाहरण- अमरावती से (लगभग 2000 वर्ष पूर्व के) प्राप्त स्तूप को सजाने के लिये शिलाओं पर चित्र उकेरे गए। स्तूप निर्माण में राजा के अलावा व्यापारी, कृषक, श्रमिक भी योगदान देते थे जैसे-हाथी दाँत का काम करने वाले श्रमिकों के संघ ने साँची के एक अलंकृत प्रवेश द्वार (तोरण) को बनवाने का खर्च दिया था।

48.Answer: c

Solution: मंदिरों का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग गर्भगृह होता था, जहाँ मुख्य देवी-देवताओं (विष्णु, शिव, दुर्गा आदि) को रखा जाता था। इसी स्थान पर पुरोहित धार्मिक अनुष्ठान करते थे और भक्त पूजा करते थे। गर्भगृह को पवित्र स्थान दिखाने के लिये अकसर उसके ऊपर शिखर बनाए जाते थे। उदाहरण- भीतरगाँव के मन्दिर। अधिकतर मन्दिरों में मण्डप नाम की जगह होती थी। यह एक सभागार होता था, जहाँ लोग इकट्ठा होते थे। अतः केवल कथन 3 सही है।
आरंभिक हिन्दू मन्दिरों में भीतरगाँव के मन्दिर (लगभग 1500 वर्ष पूर्व) महाबलीपुरम के एकाष्मक मन्दिर, एहोल का दुर्गा मन्दिर (लगभग 1400 वर्ष पूर्व) आदि बहुत प्रसिद्ध हैं। एकाश्म मन्दिरों की विशेषता है कि इन्हें एक ही विशाल शिलाखण्ड को ऊपर से नीचे की ओर तराश कर बनाया जाता था।

49.Answer: a

Solution: आर्यों के अनेक देवता थे। सूर्य, नक्षत्र, वायु, चंद्र, पृथ्वी, आकाश, वृक्ष, नदियों, पर्वत आदि प्रकृति की शक्तियाँ देवता बन गईं। इंद्र वर्षा, तूफान और युद्ध का देवता था।
देवताओं को मानवरूप समझा जाता था, परंतु वे अलौकिक और अतिशक्तिशाली थे, इसलिये लोग उनसे डरते थे। यह समझा जाता था कि देवता स्त्री-पुरुषों पर कृपा करते हैं, परंतु जब वे रुष्ट हो जाते हैं तो उनका क्रोध भयानक होता है और तब उन्हें संतुष्ट करना होता है।
इंद्र उनका सबसे प्रिय देवता था, क्योंकि वह पराक्रमी था और आययों के शत्रुओं तथा राक्षसों का विनाश करने में समर्थ था।

50.Answer: a

Solution: मौर्यकाल के बारे में बहुत कुछ जानकारी दो साहित्यिक स्रोतों से मिलती है। उनमें से एक है 'अर्थ शास्त्र' जिसका आज उपलब्ध अधिकांश हिस्सा चंद्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री कौटिल्य ने लिखा था। दूसरा स्रोत है, मेगस्थनीज द्वारा यूनानी भाषा में लिखा हुआ विवरण 'इंडिका'।
मेगस्थनीज सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था और उसने चंद्रगुप्त के शासनकाल में कुल समय भारत में बिताया था। मेगस्थनीज का वृत्तांत, जिसका दुर्भाग्यवंश कुछ ही अंश बचा है, उसका आँखो देखा वर्णन है। इसने पाटलिपुत्र के संदर्भ में जानकारी दी है कि यह एक विशाल और सुंदर नगर था और मजबूत परकोटे से घिरा हुआ था। मकान लकड़ी के बने हुए थे, परंतु राजा का महल पत्थर का बना हुआ था।
मेगस्थनीज भारतीय समाज के बारे में लिखता है कि अधिकतर लोग खेती करते थे। उनकी या तो अपनी भूमि होती थी या वे राजा की भूमि पर काम करते थे। वे गाँवों में सुखपूर्वक रहते थे।

51.Answer: d

Solution: पश्चिमी एशिया के साथ संपर्क बढ़ने के कारण उत्तर भारत के नगरों में यूनानी मूर्तिकला को प्रवेश मिला। गांधार प्रदेश के भारतीय कलाकारों की मूर्तिकला की इस शैली में दिलचस्पी बढ़ी और इससे वे प्रभावित भी हुए। उनकी बनाई बुद्ध की मूर्तियाँ और बुद्ध के जीवन से संबंधित दृश्य पटल यूनानी-शैली से मेल खाते हैं। यह शैली गंधार कला के नाम से जानी जाती है।
यह कला शैली न केवल आधुनिक पंजाब और कश्मीर जैसे क्षेत्रों में लोकप्रिय

थी, बल्कि आधुनिक अफ़गानिस्तान में भी, क्योंकि गांधार शैली की कला के अनेक अवशेष वहाँ मिले हैं।

52.Answer: d

Solution: उपर्युक्त सभी कथन 1, 2 एवं 3 सही हैं। गंगा के नदी-मुख प्रदेश (डेल्टा) में स्थित ताम्रलिप्ति (तमलुक) बंदरगाह से दक्षिण पूर्व एशिया के सुवर्णभूमि (बर्मा), यवद्वीप (जावा) और कंबोज (कंबोडिया) जैसे देशों के साथ सबसे ज्यादा व्यापार होता था। व्यापार के साथ-साथ भारतीय धर्म और संस्कृति-बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म, संस्कृत भाषा, कला तथा भारतीय संस्कृति के अन्य रूप दक्षिण पूर्व एशिया में पहुँचे।

व्यापारियों के काफिले (सार्थ) और धर्मप्रचारकों की मंडलियाँ भी स्थल-मार्ग से मध्य एशिया और चीन जाया करती थीं। लेकिन गुप्तकाल के अंतिम दौर में उत्तर भारत में व्यापार का ह्रास हुआ। इसका आशिक कारण था, हूणों की हलचल से मध्य एशिया में पैदा हुई अस्थिर परिस्थितियाँ। एक अन्य कारण हो सकता है- बाढ़ों से और नदी-मार्गों में हए परिवर्तन से गंगा की द्रोणी के वातावरण में आया बदलाव।

53.Answer: c

Solution: अरिकोमेडु का रोमन नाम पोडुका था। अरिकामेडु, बेरिगाजा, मसुलिपत्तनम् और मुजिरिम सभी प्राचीन काल के महत्त्वपूर्ण पत्तन थे।व्यापार के संदर्भ में दक्षिण भारत के पत्तन काली मिर्च तथा अन्य मसालों के निर्यात की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण थे।

54.Answer: a

Solution: चोल, पल्लवों के सामंत थे। चोल वंश के शासक राजेन्द्र प्रथम ने गंगा घाटी, श्रीलंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों तक अपने साम्राज्य के विस्तार एवं सुरक्षा के लिये एक विशाल नौसेना का निर्माण किया था तथा बंगाल की खाड़ी को चोल झील के रूप में परिवर्तित कर दिया था।

55.Answer: a

Solution: वेल्लाल जाति के धनी किसानों को चोल राजाओं ने सम्मान के रूप में 'मुवेंदवेलन' और 'अरइयार' (प्रधान) जैसी उपाधियाँ दीं और उन्हें केंन्द्र में महत्त्वपूर्ण राजकीय पद सौंपे।

56.Answer: a

Solution: बुद्ध ने निर्वाण को मन की उस परम शांति के रूप में वर्णित किया है, जो तृष्णा, क्रोध और दूसरी विषादकारी मनःस्थितियों से परे है। यह शांति तभी प्राप्त होती है, जब सभी वर्तमान इच्छाओं के कारण समाप्त हो जाएं और भविष्य में पैदा हो सकने वाली इच्छाओं का जड़ से नाश हो जाए। निर्वाण में तृष्णा और द्वेष के कारण जड़ से समाप्त हो जाते हैं, जिससे मनुष्य सभी प्रकार के कष्टों (दुःख) या संसार में पुनर्जन्म के चक्र से छूट जाता है। अतः विकल्प (A) सही उत्तर है।

57.Answer: c

Solution: सैंधव पुरास्थल लोथल (गुजरात) से गोदीवाड़ा के अवशेष मिले हैं। सारनाथ (वाराणसी) में महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम धर्मोपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन) दिया था। नालंदा बौद्ध अधिगम का महान पीठ था, यहां कुमारगुप्त I के शासनकाल में विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। अशोक का सिंह स्तंभ शीर्ष राजगीर में नहीं बल्कि सारनाथ में स्थित है।

58.Answer: a

Solution: नालंदा में एक विख्यात बौद्ध पीठ एवं विश्वविद्यालय था। यह दक्षिणी बिहार में राजगृह (वर्तमान में राजगीर) के निकट स्थित था। पांचवीं | सदी के मध्य, गुप्तों के समय में नालंदा स्थित महाविहार (विश्वविद्यालय) अस्तित्व में आया। छठी शताब्दी से भारत में तंत्रवाद का विकास होता है। पाल शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। आगे पाल शासकों ने तंत्रवाद की शिक्षा पर केंद्रित विक्रमशिला को अधिक महत्व दिया तथा नालंदा उपेक्षित होने लगा तथा बारहवीं | शताब्दी के अंत तक उसका क्रमिक पतन होता रहा। बाद में बख्तियार खिलजी द्वारा इसे जलाकर अंतिम रूप से नष्ट कर दिया गया। इस तरह नालंदा के पतन में राजकीय प्रश्रय का अभाव भी एक कारण था।

59.Answer: a

Solution: 'अनेकांतवाद' अथवा 'स्यादवाद' जैन धर्म से संबंधित हैं। महावीर स्वामी ने आत्मवादियों तथा नास्तिकों के एकांतिक मतों को छोड़कर बीच का मार्ग अपनाया, जिसे 'अनेकांतवाद' या 'स्याद्वाद' कहा गया। स्याद्वाद को 'सप्तभंगीनय' भी कहा जाता है। यह ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत है। 'शून्यवाद' बौद्ध धर्म का एक संप्रदाय है, जिसके प्रवर्तक 'नागार्जुन' हैं, जबकि 'सर्वस्तिवाद', बौद्ध दर्शन का एक संप्रदाय है, जिसका मानना है कि तीनों काल में संसार की सभी वस्तुओं का अस्तित्व है। इसे 'वैभाषिक' भी कहते हैं। अतः विकल्प (A) सही उत्तर है।

60.Answer: b

Solution: चोलकालीन कांस्य मूर्तियाँ 'लुप्तमोम' तकनीक के द्वारा बनाई जाती थी। इस प्रविधि के अंतर्गत सर्वप्रथम मोम की एक प्रतिमा बनाई जाती थी। इसे चिकनी मिट्टी से पूरी तरह लीपकर सूखने के लिये छोड़ दिया जाता था। जब वह पूरी तरह सूख जाती थी तो उसे गर्म किया जाता था और उसके मिट्टी के आवरण में एक छोटा-सा छेद बनाकर उस छेद के रास्ते सारा पिघला हुआ मोम बाहर निकाल लिया जाता था। फिर

चिकनी मिट्टी के खाली साँचे में उसी छेद के रास्ते पिघली हुई धातु भर दी जाती थी। जब वह धातु ठंडी होकर ठोस हो जाती थी, तो चिकनी मिट्टी के आवरण को सावधानीपूर्वक हटा दिया जाता था और उसमें से निकली प्रतिमा को साफ करके चमका दिया जाता था।

61.Answer: c

Solution: 15वीं, 16 शताब्दियों के अपने समृद्धिकाल में हम्पी कई वाणिज्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से गुंजायमान रहता था। इन दिनों हम्पी के बाज़ारों में मूरों (मुस्लिम सौदागरों के लिये सामूहिक रूप से प्रयुक्त नाम), चेट्टियों, पुर्तगालियों जैसे यूरोपीय व्यापारियों के एजेंटों का जमघट लगा रहता था।

62.Answer: d

Solution: 'मणिप्रवालम्' एक भाषा शैली है। चौदहवीं सदी का एक ग्रंथ 'लीला तिलकम' जो व्याकरण तथा काव्यशास्त्र विषयक है 'मणिप्रवालम्' शैली में लिखा गया है। मणिप्रवालम् का शाब्दिक अर्थ है- हीरा और मूँगा, जो यहाँ दो भाषाओं संस्कृत और क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ प्रयोग की ओर संकेत करता है।

63.Answer: c

Solution: छठी सदी के स्मृतिकार कात्यायन का कहना है कि स्त्री अपने स्त्रीधन के साथ अपनी अचल सम्पत्ति को भी बेच सकती थी और गिरवी रख सकती थी। इससे यह पता चलता है कि स्त्रियों को भूमि पर अधिकार था। अतः कथन (1) सत्य है।

रोमक सिद्धांत नामक पुस्तक खगोलशास्त्र विषय से संबंधित है। इस पर यूनानी विद्वानों का प्रभाव है। अतः कथन (2) असत्य है।

इस काल में वास्तुकला पिछड़ी हुई थी। वास्तुकला के नाम पर हमें ईंट के बने कुछ मंदिर उत्तर प्रदेश में मिले हैं। इसमें कानपुर के भीतरगाँव, गाजीपुर के भीतरी और झाँसी के देवगढ़ में ईंट का मंदिर उल्लेखनीय हैं। अतः कथन (3) सत्य है।

उल्लेखनीय है कि गुप्त काल में मंदिर निर्माण कला का जन्म हुआ था।

64.Answer: b

Solution: इलाहाबाद की प्रशस्ति (प्रशंसात्मक अभिलेख) में समुद्रगुप्त के विजयों के बारे में वर्णन किया गया है कि उसे कभी पराजय का सामना नहीं करना पड़ा। अतः कथन (1) असत्य है।

दिल्ली में कुतुब मीनार के पास खड़े एक लौह स्तंभ पर खुदे हुए अभिलेख में चन्द्र नामक किसी राजा का कीर्तिवर्णन किया गया है, जिसे चंद्रगुप्त द्वितीय के बारे में माना जाता है। अतः कथन (2) सत्य है।

65.Answer: d

Solution: उपर्युक्त दोनों कथन असत्य हैं।

नागार्जुनकोंड के स्तूपों में भित्ति-प्रतिमाएँ नहीं मिलती हैं। इसमें बौद्ध स्मारकों के साथ-साथ पुराने ईंट से बने हिन्दू मंदिर भी हैं। उल्लेखनीय है कि यह सातवाहनों के उत्तराधिकारी इक्ष्वाकुओं के काल में उत्कर्ष के शिखर पर थे।

अमरावती के स्तूपों में भित्ति-प्रतिमाएँ मिलती हैं। इनमें बुद्ध के जीवन के विभिन्न दृश्य चित्रित हैं।

66.Answer: d

Solution: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

सातवाहन राज्य का उदय ऊपरी गोदावरी घाटी में हुआ था। वहाँ पर लोहे के फाल का प्रयोग, धान रोपण विधि से धान का प्रचुर उत्पादन होता था।

नगरीकरण में अमरावती व नागार्जुनकोंड प्रमुख नगर तथा लेखन कला आदि सातवाहन राज्य के उदय की विशेषताएँ थीं।

67.Answer: c

Solution: बौद्ध धर्म से संबंधित सबसे पुराने पट्टचित्र- गया, साँची और भरहुत में पाए गए, जो ईसा पूर्व दूसरी सदी के हैं।

68.Answer: b

Solution: मौर्य शासन में मयूर, पर्वत और अर्ध-चंद्र की छापवाले आहत रजत-मुद्राएँ मान्य थी। ये मुद्राएँ कर की वसूली और अधिकारियों के वेतन भुगतान में सुविधाप्रद हुई होंगी और अपनी शुद्ध समरूपता के कारण व्यापक क्षेत्र में बाजार की लेन-देन में सुविधा के साथ चलती थी। अतः कथन (B) असत्य है, जबकि अन्य तीनों कथन सत्य है।

प्रांतों में हो रहे अत्याचारों को दूर करने के लिये अशोक ने तोसली, उज्जैन और तक्षशिला के अधिकारियों के स्थानांतरण की परिपाटी चलाई।

मौर्य काल में ही पूर्वोत्तर भारत में सर्वप्रथम पकाई हुई ईंट का प्रयोग हुआ। मकान ईंटों के भी बनते थे और लकड़ी के भी।

प्रायद्वीपीय भारत में राज्य स्थापित करने की प्रेरणा न केवल चेदियों और सातवाहनों को बल्कि चेरों (केरलपुत्रों), चोलों और पाण्ड्यों को भी मौर्यों से ही मिली है।

69.Answer: b

Solution: विक्रमादित्य षष्ठ चालुक्य वंश का सबसे प्रमुख शासक था। उसके दरबार में विक्रमांकदेवचरित के रचिता विल्हण तथा याज्ञवल्क्य स्मृति के व्याख्याकार एवं मिताक्षरा के लेखक विज्ञानेश्वर जैसे विद्वान रहते थे।]

70.Answer: a

Solution: चोलों के पास लगभग 60 हजार की विशाल हाथियों की सेना तथा डेढ़ लाख पैदल सैनिक थे। सैनिकों को समुचित प्रशिक्षण दिया जाता था। युद्ध में व्यक्तिगत वीरता प्रदर्शित करने वाले या अपने को आत्मोत्सर्ग करने वाले सैनिकों को चोल सम्राट 'क्षत्रिय शिखा मणि' की उपाधि प्रदान करते थे।]

71.Answer: a

Solution: . कुरिन्जी -आखेट एवं खाद्य संग्रहण

. मुल्लई -पशुपालन एवं खाद्य उत्पादन

. मरूदम - खाद्य उत्पादन एवं भंडारण

. नेयतल -मत्स्यग्रहण एवं नमक उत्पादन

72.Answer: c

Solution: सातवाहन लेखों में शिव पालित, शिवदत्त, कुमार आदि नाम मिलते हैं जिनमें शिव तथा स्कंद की पूजा की सूचना मिलती है, योधेय भी कार्तिकेय के उपासक थे।]

73.Answer: a

Solution: वस्तुतः मनुष्य पांच मनोदैहिक तत्वों का योग है-शरीर, भाव, ज्ञान, मनोस्थिति एवं चेतना।]

74.Answer: b

Solution: प्रथम संगीति - महाकस्सप

द्वितीय संगीति - साबकमीर (सर्वकामनी)

तृतीय संगीति - मोग्गलिपुत्त तिस्स

चतुर्थ संगीति - वसुमित्र, अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

75.Answer: c

Solution: ऋग्वैदिक काल में पुत्र के पैदा होने की कामना कई सूक्तों में मिलती है जबकि पुत्री की कामना ऋग्वेद में कहीं भी नहीं की गई है जबकि ऋग्वेदिक काल में स्त्रियों की स्थिति अच्छी थी क्योंकि उस समय स्त्रियां सभा और समिति जैसी संस्थाओं में भाग लेती थीं।]

76.Answer: d

Solution: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

गंगा के मैदान की इस नई भौतिक संस्कृति के आधार थे- लोहे का प्रचुर प्रयोग, आहत मुद्राओं की बहुतायत, लेखन कला का प्रयोग, उत्तरी काला पॉलिशदार मृदभांड नाम से प्रसिद्ध मिट्टी के बरतनों की भरमार, पकी ईंटों और छल्लेदार कुओं का प्रचलन और सबसे ऊपर पूर्वोत्तर भारत में नगरों का उदय।

77.Answer: d

Solution: बौद्ध विहार महान विद्या केंद्र हो गए थे, जिन्हें आवासीय (छात्रावासीय) विश्वविद्यालय की संज्ञा दी जा सकती है। इनमें बिहार में नालंदा और विक्रमशीला तथा गुजरात में वलभी उल्लेखनीय है। सम्राट अशोक के शासनकाल में तक्षशिला महान बौद्ध विद्या केंद्र था।

78.Answer: c

Solution: भारत सबसे प्राचीन सभ्यता 'हड़प्पा सभ्यता' अपनी नगर योजना के लिये प्रसिद्ध है।

लोहे का ज्ञान कांसे के बाद वैदिक काल में 1000 ई.पू. में हुआ।

भारत सबसे प्राचीन सिक्के पंचमार्ड/आहत सिक्के 6ठी शताब्दी ई.पू. में अस्तित्व में आए।

सबसे पहले भारत में सोने के सिक्के हिंद-यवन शासकों (द्वितीय) शताब्दी ई.पू.) ने जारी किये।

79.Answer: a

Solution: जैन दर्शन के अनुसार, समस्त विश्व जीव तथा अजीव नामक दो नित्य एवं स्वतंत्र तत्वों से मिलकर बना है। जीव चेतन तत्व है, जबकि अजीव अचेतन जड़ तत्व है। यहां जीव से तात्पर्य उपनिषदों की सार्वभौमिक आत्मा से न होकर व्यक्तिगत आत्मा से है। जैन मतानुसार, आत्माएं अनेक होती हैं तथा सृष्टि के कण-कण में जीवों का वास है। अतः विकल्प (A) सही उत्तर है, जिसमें उल्लिखित है कि जैन दर्शन के अनुसार, सृष्टि की रचना एवं पालन-पोषण सार्वभौमिक विधान से हुआ है। इसका कोई संचालक या नियंत्रणकर्ता नहीं है।

80.Answer: d

Solution: श्वेतांबर मतानुयायियों ने प्रथम जैन संगीति, जो 310 ईसा पूर्व पाटलिपुत्र में हुई थी, में 12 अंगों का संकलन किया। दिगंबरों का मानना था कि महावीर की शिक्षाएं या 12 अंगों का ज्ञान लुप्त हो चुका है, इन्होंने इस सभा में भाग नहीं लिया था। अतः कथन I सत्य तथा कथन II असत्य है।

81.Answer: d

Solution: चोल काल में भूमि के प्रकार

वेल्लनबगाई गैर ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि । ब्रह्मदेय: ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि । शालाभोग : किसी विद्यालय के रख-रखाव की भूमि देवदान या तिरुनमदक्कनी : मंदिर की उपहार में दी गई भूमि पल्लिच्चंदम: जैन संस्थानों को दान दी गई भूमि ।

82.Answer: c

Solution: शासन की सुविधा के लिये अंग्रेज़ों ने भारत को कई प्रांतों में बाँट रखा था। इनमें से बंगाल, मद्रास और बंबई प्रांतों को प्रेसीडेंसी कहा जाता था। इन प्रेसीडेंसियों का प्रशासन गवर्नर तीन सदस्यों वाली एक कांउंसिल की सहायता से चलाता था और उनकी नियुक्ति सम्राट करता था।

83.Answer: d

Solution: पूर्व पुरापाषाणिक स्थल भीमबेटका जोकि नर्मदा (घाटी मध्य प्रदेश के जिला रायसेन) में स्थित है, की गुफाओं में मानव गतिविधियाँ चित्रित हैं।

84.Answer: c

Solution: व्याख्या मार्डन चाइल्ड तथा मार्टीमर ह्वीलर ने हड़प्पा के पतन के कारणों में बाह्य आक्रमणों को माना है तथा ह्वीलर ने ही सर्वप्रथम यह विचार व्यक्त किया था कि आर्यों ने भारत में पश्चिमोत्तर से प्रवेश किया था।

85.Answer: b

Solution: सामन्त शब्द का उल्लेख कौटिल्य के अर्थशास्त्र में स्वतन्त्र पड़ोसी के अर्थ में किया गया है। सर्वप्रथम अश्वघोष (प्रथम शती) ने बुद्धचरित में लिए किया है। गुप्तकाल मे प्रयोग जागीरदार के इस शब्द का का प्रयोग सामान्यतः इसी अथ में किया जाता है!

86.Answer: b

Solution: व्याख्या अपराजितपृच्छा मालवा के परमारवंशी राजा भोज द्वारा स्थापत्य शास्त्र पर लिखा गया ग्रन्थ है। राजा भोज द्वारा ही लिखे गए ग्रन्थ युक्तिकल्पतरु में विविध प्रकार की नावों के निर्माण की चर्चा है।

87.Answer: b

Solution: मिहिरकुल (518-530 ई.) तोरमाण के बाद प्रसिद्ध हूण शासक हुआ। मन्दसौर अभिलेख में यशोधर्मा को चक्रवर्ती शासक बताया गया है, साथ ही इस अभिलेख में इस बात का उल्लेख है कि यशोधर्मा ने मिहिरकुल को पराजित किया था। यशोधर्मा के बारे में कहा जाता है कि मिहिरकुल ने भी जिसने शिव के अतिरिक्त किसी की चरण वन्दना नहीं की थी, यशोधर्मा के चरणों की वन्दना की थी।

88.Answer: b

Solution: गुप्तकाल में भूमि के अलग-अलग प्रकार से अलग-अलग राजस्व लिया जाता था। नल, कुल्याबाप, द्रोण एवं पाटक गुप्त तथा गुप्तोत्तर काल में भूमि माप की इकाई थी। नल भूमि के माप के लिए प्रयुक्त होने वाले, धातु को छड़ या उसी लम्बाई की रस्सी को कहा जाता था। नल की लम्बाई स्थानीय परम्पराओं के अनुसार भिन्न-भिन्न होती थी।

89.Answer: b

Solution: मीमांसा दर्शन के दार्शनिक कुमारिल ने वैिदिक यज्ञ का समर्थन किया। इन्होंने बौद्धों का खण्डन कर, वेदों T की प्रमाणिकता का पुनरुद्धार करने का प्रयास किया। इन्होंने कहा कि "गृहस्थ जीवन में यज्ञीय कर्मकाण्ड कर मोक्ष को प्राप्त किया जा सकता है।"

90.Answer: d

91.Answer: d

Solution: महात्मा बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात् 483 ई. में, राजगृह में अजातशत्रु के संरक्षण में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन 383 ई. में कालाशोक के शासनकाल में वैशाली में किया गया। तृतीय बौद्ध संगीति अशोक के काल में पाटलिपुत्र में तथा चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कनिष्क के शासन काल में कश्मीर के कुण्डलवन में किया गया था।

92.Answer: a

Solution: गोदावरी नदी के पास स्थित अश्मक महाजनपद की राजधानी पोतना (पौदन्य) थी। मूलक की राजधानी प्रतिष्ठान थी। अवन्ति राज्य आधुनिक मालवा और मध्य प्रदेश का कुछ भाग था। अवन्ति के दो भाग थे उत्तरी अवन्ति जिसकी राजधानी उज्जयिनी थी तथा दक्षिणी अवन्ति की राजधानी महिष्मती थी। कलिंग प्रान्त की राजधानी तोसली थी।

93.Answer: d

Solution: कौटिल्य के अर्थशास्त्र के रूपदर्शक कहा जाता था। अनुसार मौर्य शासन में सिक्कों का परीक्षण करने वाला अधिकारी)

94.Answer: c

Solution: कन्नगी संगम साहित्य शिल्पादिकारम् की नायिका श्री। शिल्पादिकारम् की रचना इलांगोअदिगल ने की थी। इस तमिल महाकाव्य का नायक कोवलन तथा नायिका कन्नगी थी। चेर शासक सेनगुट्टवन ने कन्नगी पूजा प्रारम्भ की, थी।

95.Answer: c

Solution: सामन्तवादी प्रथा गुप्तकाल में विकसित अवस्था में थी। सामन्त अत्यधिक शक्तिशाली हो चुके थे तथा वे केन्द्रीय आदेश की यदा-कदा अवहेलना करने लगे थे। सामन्तवादी नियन्त्रण बढ़ता जा रहा था तथा केन्द्रीय नियंत्रण कमजोर हो रहा था।

96.Answer: b

Solution: गुप्तकाल में भूमि-आलेखों को सुरक्षित रखने के लिए करणिक नामक अधिकारी नियुक्त किया जाता था, ध्रुवाधिकरण भूमिकर संग्रह करने वाला अधिकारी था।

97.Answer: c

Solution: महावीर स्वामी जैन धर्म के संस्थापक नहीं थे. वरन् इस धर्म के सर्वाधिक प्रसिद्ध तीर्थकर थे। जैन धर्म के संस्थापक ऋषभदेव थे। महावीर जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थकर थे। जैन धर्म के पाँच महाव्रत थे अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, आस्तेय तथा ब्रह्मचर्य। इसमें प्रथम चार पार्श्वनाथ द्वारा प्रतिपादित किए गए तथा अन्तिम (ब्रह्मचर्य) महावीर द्वारा जोड़ा गया।

98.Answer: b

Solution: मौर्य काल में अदेवमातृक भूमि उस भूमि को कहते थे जिसमें बिना वर्षा के ही अच्छी खेती होती थी अर्थात् ऐसी भूमि जिसमें वर्षा नहीं होने पर खेती होती थी अर्थात् उसकी सिंचाई कृत्रिम साधनों से होती थी, क्योंकि बिना सिंचाई के खेती होगी नहीं।

99.Answer: d

Solution: सातवाहन युगीन समाज वर्णाश्रम धर्म पर आधारित था। परम्परागत रूप से समाज चार वर्षों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) में बँटा हुआ था जबकि जातियों की संख्या अनगिनत थी। इस प्रकार कथन (A) गलत है तथा यह कारण सत्य है कि सातवाहन युगीन समाज प्रगतिशील समाज चाहते थे, जो विभिन्न प्रकार की संकीर्ण प्रवृत्तियों से मुक्त हो।

100.Answer: b

Solution: तुजुमा-ए-बाराही ज्योतिष विषय से संबंधित भारतीय ग्रंथ का फारसी रूपांतर है!

101.Answer: c

Solution: मुवेन्दार का अर्थ तीन मुखिया है। इसका प्रयोग तीन शासक परिवारों के लिये किया गया है। ये थे-चोल, चेर तथा पांड्य जो करीब 2300 वर्ष पूर्व दक्षिण भारत में काफी शक्तिशाली माने जाते थे।

102.Answer: c

Solution: बुर्जहोम (कश्मीर) नवपाषाण संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थल है। यहाँ गड्ढा-आवास, पत्थर के उपकरण तथा कृषि-पशुपालन के साक्ष्य मिले हैं।

103.Answer: d

Solution: बुर्जहोम में जमीन में खोदे गए गड्ढेनुमा आवास नवपाषाण जीवन की विशिष्ट विशेषता हैं।

104.Answer: a

Solution: मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) में नवपाषाण चरण में कृषि और पशुपालन के प्राचीन साक्ष्य मिले हैं।

105.Answer: b

Solution: ऋग्वैदिक काल में सभा, समिति और विदथ जैसी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है। राजा निरंकुश नहीं था; जनमत और कुलीन संस्थाओं की भूमिका थी।

106.Answer: c

Solution: दशराज्ञ युद्ध परुष्णी (रावी) नदी के तट पर भरत नरेश सुदास और विरोधी जनों के बीच हुआ माना जाता है।

107.Answer: d

Solution: उत्तर वैदिक काल में लोहे के बढ़ते प्रयोग, कृषि के विस्तार और गंगा-यमुना क्षेत्र में बस्तियों के प्रसार ने अर्थव्यवस्था को बदला।

108.Answer: a

Solution: वैदिक साहित्य के विकास में सामान्य क्रम संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद माना जाता है।

109.Answer: b

Solution: शतपथ ब्राह्मण शुक्ल यजुर्वेद से संबद्ध है। ऐतरेय ब्राह्मण ऋग्वेद तथा ताण्ड्य ब्राह्मण सामवेद से संबद्ध है।

110.Answer: c

Solution: छठी शताब्दी ई.पू. के आसपास गंगा घाटी में नगरों, शिल्प और व्यापार का विस्तार हुआ, जिसे द्वितीय नगरीकरण कहा जाता है।

111.Answer: d

Solution: कोशल की प्रमुख राजधानी श्रावस्ती थी; साकेत भी इसका महत्त्वपूर्ण नगर था।

112.Answer: a

Solution: प्रतीत्यसमुत्पाद के अनुसार घटनाएँ और दुःख कारणों एवं परिस्थितियों पर निर्भर होकर उत्पन्न होते हैं।

113.Answer: b

Solution: बुद्ध, धम्म और संघ त्रिरत्न हैं। निर्वाण बौद्ध साधना का लक्ष्य है, त्रिरत्न का अंग नहीं।

114.Answer: c

Solution: बौद्ध परंपरा में उपासक गृहस्थ पुरुष अनुयायी और उपासिका गृहस्थ स्त्री अनुयायी के लिए प्रयुक्त शब्द हैं।

115.Answer: d

Solution: अनेकांतवाद वस्तु या सत्य के अनेक पक्षों और दृष्टियों की संभावना को स्वीकार करता है।

116.Answer: a

Solution: जैन धर्म में मोक्षमार्ग के तीन रत्न सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र हैं।

117.Answer: b

Solution: अशोक ने धम्म के प्रसार, नैतिक आचरण और लोककल्याण से जुड़े कार्यों के लिए धम्म महामात्रों की नियुक्ति की।

118.Answer: c

Solution: अधिकांश प्रमुख अभिलेखों में देवानांपिय पियदस्सी की पहचान सम्राट अशोक से की गई है।

119.Answer: d

Solution: प्रमुख शिलालेख XIII में कलिंग विजय के बाद अशोक के पश्चाताप और धम्म-विजय की नीति का उल्लेख मिलता है।

120.Answer: a

Solution: मौर्य साम्राज्य में केंद्रीय सत्ता के साथ प्रांत, नगर और ग्राम स्तर पर विविध प्रशासनिक अधिकारी कार्य करते थे।

121.Answer: b

Solution: मेगस्थनीज के विवरण में पाटलिपुत्र के नगर प्रशासन और विभिन्न समितियों का उल्लेख मिलता है।

122.Answer: c

Solution: मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या के बाद पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की।

123.Answer: d

Solution: सातवाहन प्रशासनिक संदर्भ में आहार एक प्रशासनिक क्षेत्र/इकाई के रूप में प्रयुक्त हुआ है।

124.Answer: a

Solution: कनिष्क के काल में महायान बौद्ध परंपरा के विस्तार और उसके साहित्यिक-विचारात्मक विकास को संरक्षण मिला।

125.Answer: b

Solution: कुषाण सिक्कों पर बहुसांस्कृतिक धार्मिक प्रतीक मिलते हैं, जिनमें ईरानी, यूनानी और भारतीय देवताओं के रूप शामिल हैं।

126.Answer: c

Solution: गुप्त प्रशासन में भुक्ति प्रांतीय स्तर की तथा विषय उससे छोटी प्रशासनिक इकाई थी।

127.Answer: d

Solution: उपरिक भुक्ति अर्थात प्रांतीय प्रशासन से संबंधित अधिकारी माना जाता है।

128.Answer: a

Solution: समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति के रचयिता हरिषेण थे, जो उसके दरबार से जुड़े कवि और अधिकारी थे।

129.Answer: b

Solution: परंपरा और अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर नालंदा के महाविहार के विकास को कुमारगुप्त प्रथम के काल से जोड़ा जाता है।

130.Answer: c

Solution: अजंता में बौद्ध विषयों, जातक कथाओं और बुद्ध के जीवन से संबंधित उत्कृष्ट चित्रकला तथा शिल्पकला मिलती है।

131.Answer: d

Solution: पट्टुप्पाट्टु (दस गीत) और एट्टुत्तोकै (आठ संकलन) प्राचीन तमिल संगम साहित्य के प्रमुख संग्रह हैं।

132.Answer: a

Solution: प्राचीन भारतीय स्रोतों में यवन शब्द का प्रयोग व्यापक रूप से यूनानी तथा बाद में यूनानी-रोमन विदेशियों के लिए हुआ।

133.Answer: b

Solution: कौटिल्य का अर्थशास्त्र राज्य, प्रशासन, राजस्व, अर्थव्यवस्था, दंडनीति और कूटनीति पर व्यवस्थित चर्चा करता है।

134.Answer: c

Solution: अष्टाध्यायी संस्कृत व्याकरण का अत्यंत व्यवस्थित और प्रभावशाली ग्रंथ है।

135.Answer: d

Solution: पतंजलि का महाभाष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी और कात्यायन के वार्तिकों पर महत्वपूर्ण भाष्य है।

136.Answer: a

Solution: चरक संहिता आयुर्वेदिक चिकित्सा से और सुश्रुत संहिता विशेष रूप से शल्यचिकित्सा परंपरा से जुड़ी है।

137.Answer: b

Solution: चैत्य सामान्यतः उपासना/प्रार्थना के लिए और विहार भिक्षुओं के निवास के लिए प्रयुक्त होते थे।

138.Answer: c

Solution: सांची के मूल स्तूप का निर्माण अशोक के काल से जोड़ा जाता है; बाद में इसका विस्तार और अलंकरण हुआ।

139.Answer: d

Solution: महाराष्ट्र का कार्ले एक भव्य शैलकृत बौद्ध चैत्यगृह के लिए प्रसिद्ध है।

140.Answer: a

Solution: धौलावीरा में जलाशयों, नालियों और जल-संग्रह की सुव्यवस्थित प्रणाली हड़प्पाई जल-प्रबंधन की उन्नति दिखाती है।

141.Answer: b

Solution: मेसोपोटामियाई अभिलेखों में मेलुहा नाम से जिस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है, उसे सामान्यतः सिंधु सभ्यता के क्षेत्र से जोड़ा जाता है।

142.Answer: c

Solution: लोथल से गोदी/बंदरगाह जैसी संरचना और समुद्री व्यापार के संकेत मिले हैं।

143.Answer: d

Solution: कालीबंगा से अग्निवेदियों/अग्निकुण्ड जैसी संरचनाओं के प्रमाण मिले हैं।

144.Answer: a

Solution: गण-संघों में सत्ता एक व्यक्ति के बजाय कुलीन समूहों या सभा जैसे निकायों में निहित होती थी।

145.Answer: b

Solution: लिच्छवियों का गण-संघ वैशाली केंद्रित था और यह वज्जि संघ का प्रमुख घटक था।

146.Answer: c

Solution: मगध को उपजाऊ मैदान, लौह संसाधन, हाथियों की उपलब्धता और नदी-मार्ग जैसे अनेक लाभ मिले।

147.Answer: d

Solution: बिम्बिसार हर्यक वंश का मगध शासक था, गुप्त वंश से उसका संबंध नहीं था।

148.Answer: a

Solution: श्रेणियाँ शिल्पियों या व्यापारियों के संगठित समूह/गिल्ड थीं, जिनका आर्थिक जीवन में महत्त्व था।

149.Answer: b

Solution: पंचमार्क सिक्के मुख्यतः चाँदी और कुछ अन्य धातुओं के थे; वे केवल सोने के नहीं थे। सिक्कों ने विनिमय और आर्थिक गतिविधियों को सुविधा दी।

150.Answer: c

Solution: मानसूनी पवनों के ज्ञान ने भारत और पश्चिमी/दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों के बीच समुद्री व्यापार को गति दी।